www.tamsasanket.com
वर्षः 29 || अंक 172 || अम्बेडकरनगर
सोमवार
14 सितम्बर 2026 || पृष्ठः 08 || मूल्यः ₹2
आज़ादी का अमृत महोत्सव

दैनिक तमसा संकेत

https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र

मौसम
सूर्योदयः 05:51
सूर्यास्तः 06:13
अधिकतमः 32°00
न्यूनतमः 26°00

पेज 07

विशेष समाचार | भगवान गणेश : मंगल, समृद्धि ... >> पेज 04 | थाने के सामने हत्या... >> पेज 06 | सलमान के बॉडीगार्ड शेरा के ...

बढ़ती ताकत, बढ़ता असर, वर्ल्ड मीडिया बोला- ब्रिक्स में भारत के लिए बड़ी कामयाबी

दुनिया ने भारत के दबदबे को माना

सफलता

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। BRICS समिट के दौरान जारी हुए नई दिल्ली घोषणापत्र पर वर्ल्ड मीडिया के रिएक्शन आ रहे हैं। रॉयटर्स ने इस समिट को भारत की बड़ी कूटनीतिक सफलता बताया।

रिपोर्ट के मुताबिक, भारत ने ईरान, सऊदी अरब, UAE, चीन और रूस जैसे अलग-अलग नजरिए वाले देशों को एक साझा बयान पर सहमत कराने में अहम भूमिका निभाई। वहीं, फाइनेंशियल टाइम्स ने लिखा कि चीन BRICS को वैश्विक ताकत के तौर पर उभारना चाहता है, जबकि भारत इसे अमेरिका-विरोधी गुट के बजाय विकासशील देशों के सहयोग मंच के रूप में देखता है।

>> (शेष पेज 06 पर)

> रिपोर्ट के मुताबिक, भारत चाहता है कि ब्रिक्स में अलग-अलग सोच और हित रखने वाले देश भी साथ मिलकर काम करें। यानी संगठन का फोकस किसी एक खेमे के साथ खड़े होने के बजाय आपसी सहयोग और विकासशील देशों की आवाज को मजबूत करने पर रहे।

रॉयटर्स- भारत अलग-अलग हितों वाले देशों को एक मंच पर लाया

रॉयटर्स ने BRICS के नई दिल्ली घोषणापत्र को लेकर लिखा कि भारत ने ईरान, सऊदी अरब, UAE, चीन और रूस जैसे अलग-अलग हितों वाले देशों के बीच सहमति बनाने में अहम भूमिका निभाई। पश्चिम एशिया में जारी तनाव और इन देशों के अलग-अलग रुख के बीच सभी को एक साझा बयान पर सहमत कराना भारत के लिए बड़ी चुनौती थी।

चीन और भारत में प्रभाव बढ़ाने की होड़

द न्यूयॉर्क टाइम्स ने BRICS समिट को भारत और चीन के बीच बढ़ते प्रभाव की होड़ के नजरिए से देखा। रिपोर्ट के मुताबिक, चीन BRICS को अमेरिकी दबदबे को चुनौती देने वाले मंच के तौर पर मजबूत करना चाहता है। वहीं, भारत की कोशिश है कि BRICS किसी एक देश या शक्ति के प्रभाव में न आए।

गंगा नदी में पलटी नाव, डूब रहे थे 10 बांग्लादेशी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले में 10 बांग्लादेशी नागरिकों को सीमा सुरक्षा बल (BSF) के जवानों ने बचा लिया। ये लोग भारत-बांग्लादेश सीमा के पास गंगा नदी में नाव पलटने से डूब रहे थे। बचाए गए लोगों में महज 30 दिन का एक बच्चा, दो अन्य बच्चे और तीन महिलाएं भी शामिल हैं। यह घटना शनिवार शाम की है। अधिकारियों के मुताबिक, सभी लोग नदी में नाव पलटने के बाद पानी में बहते हुए भारतीय सीमा की तरफ आ गए थे। समय रहते बीएसएफ के जवानों की नजर उन पर पड़ गई और तुरंत बचाव अभियान शुरू किया गया। अधिकारियों ने बताया कि 71वीं बटालियन के जवान मुर्शिदाबाद में खंडुआ सीमा चौकी के पास गश्त कर रहे थे। इसी दौरान उन्हें नदी में कुछ लोगों के मदद के लिए पुकारने और परेशान हालत में होने की जानकारी मिली।

ऑर्गन ट्रांसप्लांट यूनिट का उद्घाटन किया, 350 बेड का ट्रॉमा सेंटर भी शुरू होगा : योगी

यूपी में 16.5 लाख कर्मी 9.5 लाख हमने भरे : योगी

लोकार्पण

हेमन्त कृष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ। सीएम योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में कहा है प्रदेश में इस समय करीब 16.5 लाख कर्मचारी कार्यरत हैं। इनमें से 9.5 लाख हमने भरे। हम बैठने वाले नहीं हैं, बल्कि समय से 10 कदम आगे चलकर सोचेंगे और अपनी गति को आगे बढ़ाएंगे। योगी ने लखनऊ के डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के छठे स्थापना दिवस पर यह बात कही।

इससे पहले उन्होंने संस्थान में ऑर्गन ट्रांसप्लांट (अंग प्रत्यारोपण) यूनिट शुरू की। इमरजेंसी के 40 वार्ड के नए वार्ड का भी लोकार्पण किया। सीएम योगी ने बताया कि संस्थान में 350 बेड का ट्रॉमा सेंटर बन रहा है। डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोगों के लिए सबसे मददगार संस्थान है। संस्थान का स्थापना दिवस रविवार शाम 4 बजे से गोमतीनगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान के जूपिटर हॉल में मनाया गया।

>> (शेष पेज 06 पर)

ब्रजेश पाठक बोले- विपक्ष के लोग बाबा हनुमान को साक्षी मानें

ब्रजेश पाठक ने कहा- आप तो उंगलियां उठाते थे, मजाक उड़ाते थे? एक बार जब आंखें बंद करके विपक्ष के लोगों से कहूंगा कि चिंतन-मनन करिएगा। ईश्वर को साक्षी मानकर, बाबा हनुमान जी को साक्षी मानकर सोचिए कि कहां चूक हुई आपसे? आपने प्रदेश को गुंडाराज, भ्रष्टाचार और दंगा-फसाद में झोंकने का काम किया था। क्या सोचते हैं? उत्तर प्रदेश के लोगों की गाढ़ी कमाई का पैसा सवई में डांस देखने के लिए खर्च किया जाएगा? उत्तर प्रदेश के लोग कभी आपको स्वीकार नहीं करेंगे।

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

प्रथम पूज्य भगवान श्रीगणेश शुभत्व एवं मंगल के आराध्य हैं। मेरा हृदय प्रफुल्लित हो उठता है, जब मैं देखता हूं कि संपूर्ण प्रदेश में, विशेषकर युवा अपने घरों में भगवान गणपति की स्थापना कर श्रद्धा के साथ उनका पूजन करते हैं। **सामाजिक एकता एवं राष्ट्र के प्रति अपने संकल्प को सुदृढ़ करने वाले महापर्व गणेश चतुर्थी की आप सभी को कोटि-कोटि मंगलकामनाएं।**

भगवान गणेश का पर्यावरण और जीवों के साथ गहरा जुड़ाव, उनकी रूप-रचना तथा जीवन-दर्शन, प्रकृति के संरक्षण और संतुलन का संदेश देता है। गज मुख जंगलों और वन्यजीवों का प्रतीक है, तो मूषक वाहन भूमि की उर्वरता और कृषि से जुड़ा है। विशाल उदर संपूर्ण ब्रह्मांड को समाहित करने का भाव व्यक्त करता है, जबकि उनके बड़े कान हमें प्रकृति की हर पुकार को सुनने का संदेश देते हैं।

गणेश चतुर्थी पर पूजा जाने वाला 'एकविंशति पत्र' (इक्कीस प्रकार की विशेष पत्तियां) औषधीय पौधों के संरक्षण से जुड़ा है। इस प्रकार गणपति का चरित्र हमें मानव जीवन और प्रकृति के एक-दूसरे का पूरक होने का संदेश देता है। इसी विराटता को **लोकमान्य तिलक ने आस्था से एकता, एकता से जनशक्ति और जनशक्ति से राष्ट्र निर्माण की प्रेरणा देने वाला महापर्व बना दिया।**

गणेशोत्सव के ज्ञान, विवेक और कर्म की भावना सृजन तथा निर्माण के स्वरूप भगवान विश्वकर्मा के पूजन में दिखाई देती है। **17 सितंबर को जब सृष्टि के प्रथम अभियंता भगवान विश्वकर्मा का पूजन किया जाएगा,** तब कौशल एवं तकनीक के संगम से नई ऊंचाइयों की ओर बढ़ रहे विकसित उत्तर प्रदेश के निर्माण का संकल्प और पुष्ट होगा।

एक्सप्रेसवे, एयरपोर्ट, औद्योगिक क्षेत्र और आधुनिक आधारभूत संरचनाएं नए उत्तर प्रदेश के बढ़ते सामर्थ्य का प्रमाण हैं। किसी प्रदेश का वास्तविक निर्माण केवल बड़े ढांचों से नहीं, वहां के लोगों के हुनर, विचारों की शक्ति और उद्यमिता के साहस से होता है। इसी सोच के साथ हमारी सरकार विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना, एक जनपद-एक उत्पाद, उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन तथा मुख्यमंत्री युवा उद्यमी विकास अभियान जैसी पहलों के माध्यम से पारंपरिक कारीगरों, शिल्पकारों, युवाओं और उद्यमियों को कौशल, उपकरण, वित्त और बाजार से जोड़ने का कार्य कर रही है।

मैं आप सभी से विशेष आग्रह करना चाहूंगा कि 'वोकल फॉर लोकल' को केवल विचार नहीं, बल्कि व्यवहार का अंग बनाएं। स्थानीय उत्पादों का सम्मान बढ़ेगा, तो कारीगरों के हाथों को काम, युवाओं को रोजगार के अवसर और प्रदेश की अर्थव्यवस्था को नई गति मिलेगी। प्रकृति के प्रति संवेदनशीलता और हुनर तथा स्थानीय सामर्थ्य पर विश्वास से ही आत्मनिर्भर एवं विकसित उत्तर प्रदेश के निर्माण का मार्ग प्रशस्त होगा।

आपका
योगी आदित्यनाथ

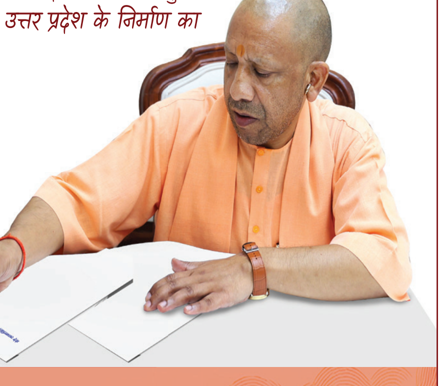

गणपति बप्पा मोरया

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
UPGovtOfficial CMOUttarpradesh CMOfficeUP

शाह बोले- यहां एनडीए की सरकारें, अभी सिर्फ उत्तराखंड में लागू, एमपी गुजरात, असम में तैयारी

'2029 तक 21 राज्यों में यूसीसी लागू होगा'

2014 में 7 राज्यों में सरकारें, 2026 में 22 राज्यों तक पहुंची एनडीए

2014 में बीजेपी/एनडीए की सरकारें करीब 7 राज्यों में थीं। 2018 तक यह संख्या बढ़कर 21 राज्यों तक पहुंच गई। 2019 के बाद कुछ राज्यों में सत्ता गंवाने से संख्या घटकर लगभग 16–17 रह गई।

2024–2026 के बीच महाराष्ट्र, बिहार, असम और पश्चिम बंगाल समेत कई राज्यों में सत्ता वापसी हुई। 2026 में बीजेपी के नेतृत्व वाला एनडीए 22 राज्यों में सरकार चला रहा है।

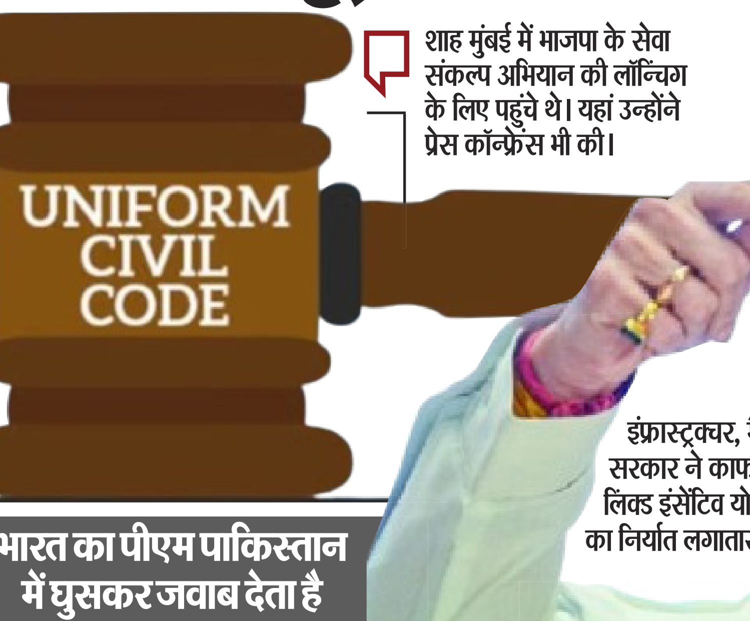

शाह मुंबई में भाजपा के सेवा संकल्प अभियान की लॉन्चिंग के लिए पहुंचे थे। यहां उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की।

यूसीसी क्या है?

यूसीसी का पूरा नाम समान नागरिक संहिता (Uniform Civil Code) है। इसके जरिए सभी धर्मों के नागरिकों के लिए एक समान कानून बनाना।

इससे क्या बदलेगा?

- **विवाह और तलाक:** सभी समुदायों के लिए समान नियम लागू हो सकते हैं।
- **विरासत:** संपत्ति के बंटवारे और उत्तराधिकार के नियम एक जैसे हो सकते हैं।
- **गोद लेना:** सभी धर्मों के लोगों के लिए समान प्रावधान हो सकते हैं।
- **महिलाओं के अधिकार:** विवाह, तलाक और संपत्ति में समान अधिकार मिल सकते हैं।

भाजपा देशभर में एक महीने चलाएगी सेवा संकल्प अभियान

अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 25 साल की सार्वजनिक सेवा पूरी होने के अवसर पर 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक देशभर में महीनेभर चलने वाला 'सेवा संकल्प अभियान' आयोजित किया जाएगा। यह अभियान हर जिले, लोकसभा और विधानसभा क्षेत्र के साथ-साथ प्रत्येक मतदान केंद्र तक पहुंचेगा। शाह ने कहा कि इस अभियान में पूरा एनडीए गठबंधन, स्वयंसेवी संगठन और देशभर के लोग भाग लेंगे। अभियान की शुरुआत 17 सितंबर को प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन पर होगी।

>> (शेष पेज 06 पर)

इंफ्रास्ट्रक्चर, मैन्युफैक्चरिंग और निर्यात में सरकार ने काफी काम किया है। इनमें प्रोडक्शन लिंक्ड इंसेंटिव योजनाएं भी शामिल हैं। भारत का निर्यात लगातार पुराने रिकॉर्ड तोड़ रहा

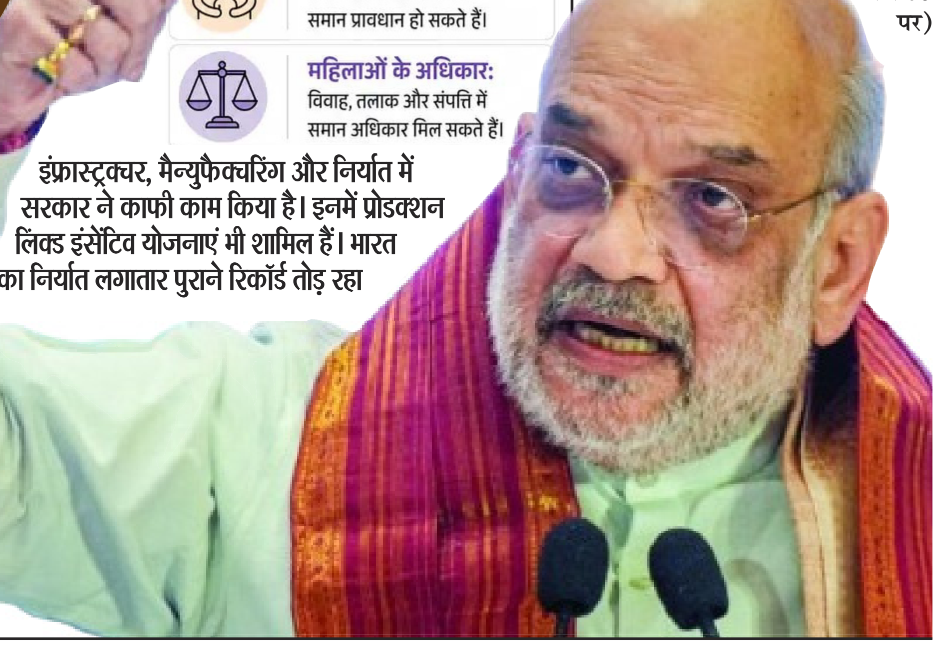

दावा

> शाह ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन पर भाजपा सेवा संकल्प अभियान 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलाएगी।

भारत का पीएम पाकिस्तान में घुसकर जवाब देता है

पहले कौन सोच सकता था कि आतंकवादी हमले की स्थिति में भारत का प्रधानमंत्री पाकिस्तान की सीमा में घुसकर जवाब देने को तैयार होगा। चाहे सर्जिकल स्ट्राइक हो, एयर स्ट्राइक हो या ऑपरेशन सिंदूर, हमारे नेता नरेंद्र मोदी ने ऐसी रक्षा नीति बनाई है, जिससे भारत पर हमला करने के बारे में हमारे दुश्मनों को दो बार सोचना पड़ता है।

तमसा संकेत, एजेंसी

मुंबई। गृहमंत्री अमित शाह ने रविवार को मुंबई में कहा कि बीजेपी-एनडीए शासित 21 राज्यों में 2029 से पहले UCC लागू कर दी जाएगी। अगला लोकसभा चुनाव 2029 में होना है।

उत्तराखंड में जनवरी 2025 से UCC पूरी तरह लागू है। फिलहाल यूसीसी लागू करने वाला यह इकलौता राज्य है। गुजरात, असम और मध्य प्रदेश में विधानसभा से प्रस्ताव पारित हो चुका है। राष्ट्रपति की मंजूरी और अधिसूचना जारी होने

> शाह बोले मैं अपना संकल्प दोहराता हूं कि हम इस देश से हर एक अवैध घुसपैठिए को बाहर निकालेंगे। उनकी एक-एक करके पहचान की जाएगी और उन्हें देश से बाहर भेजा जाएगा।

21 राज्यों में 2029 से पहले यूसीसी लागू होगा

तीन तलाक को खत्म कर मुस्लिम महिलाओं को समान अधिकार दिए गए हैं। हमने कई राज्यों में समान नागरिक संहिता लागू की है। मुझे विश्वास है कि बीजेपी-एनडीए शासित 21 राज्यों में 2029 से पहले UCC लागू कर दी जाएगी। अगला लोकसभा चुनाव 2029 में होना है।

का इंतजार है। महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और छत्तीसगढ़ ने UCC लागू करने के लिए कानून का मसौदा तैयार करने वाली समितियां गठित की जा चुकी हैं। केंद्र सरकार ने पिछले 12 सालों में बुनियादी बदलाव किए हैं। इसके परिणामस्वरूप भारत 2014 में 'फ्रैजाइल फाइव' (कमजोर) अर्थव्यवस्थाओं में शामिल होने से निकलकर आज दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में पहुंच गया है। 2014 में भारत को फ्रैजाइल फाइव में गिना जाता था, लेकिन आज वह दुनिया की टॉप 5 अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है।

>> (शेष पेज 06 पर)

दुनिया भारत के पीएम की बात सुनती है

पिछले 12 सालों में देश की वैश्विक स्थिति में काफी सुधार हुआ है। आज दुनिया का मुद्दा चाहे कोई भी हो, भारत के प्रधानमंत्री की राय को महत्व दिया जाता है। दुनियाभर में लोग भारतीय पासपोर्ट रखने वाले नागरिकों को सम्मान की नजर से देखते हैं।

बंगाल में 252 मदरसे बंद करने का आदेश

सरकार बोली- इनके पास बुनियादी सुविधाएं नहीं

आदेश

तमसा संकेत, एजेंसी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य के 252 मदरसों को बंद करने का आदेश दिया है। करीब 100 अन्य मदरसों को कारण बताओ नोटिस भेजा गया है।

सरकार का कहना है कि जांच में इन मदरसों के पास बुनियादी सुविधाएं नहीं मिली। यह कार्रवाई अल्पसंख्यक मामलों और मदरसा शिक्षा विभाग ने की है।

सरकार ने रविवार को ये भी बताया कि मानक पूरे करने वाले मदरसे चलते रहेंगे। जिन संस्थाओं को नोटिस दिए गए हैं, उनके जवाब की जांच के बाद आगे की कार्रवाई होगी। इससे पहले 2026 के बजट में बंगाल सरकार ने अल्पसंख्यक कल्याण और मदरसा विभाग के लिए फंड 5,713 करोड़ से घटाकर 2,165.42 करोड़ कर दिया था। यानी बजट में लगभग 3600 करोड़ की कटौती हुई थी।

>> (शेष पेज 06 पर)

पहले मदरसों का बजट 3600 करोड़ घटाया था

गोवा में आप का गोवा फॉरवर्ड पार्टी के साथ गठबंधन

अगले साल राज्य में विधानसभा चुनाव

दौरा

तमसा संकेत, एजेंसी

पणजी। गोवा फॉरवर्ड पार्टी और आम आदमी पार्टी ने मिलकर 'गोवा फर्स्ट' गठबंधन बनाया है। दोनों दलों ने इसे गोवा के लोगों को असली विकल्प देने की पहल बताया। AAP के संयोजक (कन्वीनर) अरविंद केजरीवाल गोवा दौरे पर हैं। इसी दौरान यह फैसला लिया गया। फरवरी 2027 में गोवा में विधानसभा चुनाव होने हैं। 2022 के चुनावों में AAP ने राज्य की 40 में से 39 सीटों पर चुनाव लड़ा था। उसे दो सीटें मिली थीं। वहीं, पार्टी को 6.7% वोट मिले थे। 2022 में गोवा फॉरवर्ड पार्टी ने कांग्रेस के साथ गठबंधन में सिर्फ 3 सीटों पर चुनाव लड़ा था, उसे 1 सीट पर जीत मिली थी। गठबंधन की ओर से कहा गया कि गोवा के लोगों को दो बार धोखा दिया गया है। अब उन्हें तीसरी बार धोखा नहीं दिया जाएगा।

बयान में बीजेपी और कांग्रेस पर भी निशाना साधा गया।

>> (शेष पेज 06 पर)

कहा- गोवा को तीसरी बार धोखा नहीं दिया जाएगा

40 साल के एमएस डॉक्टर ने की खुदखुशी

घटना

हेरिटेज हॉस्पिटल की ओटी से इंजेक्शन लाए, हाथ में सुई लगाई बेड पर लाश मिली

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी । वाराणसी में 40 साल के डॉक्टर ने सुसाइड कर लिया। शनिवार रात कमरे में उन्होंने एनेस्थीसिया का इंजेक्शन हाथ में लगाकर जान दी। बेड पर उनका शव बैठी हुई हालत में मिला। डॉ. शुभंकर गौतम हेरिटेज इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंस में 3 साल से यूरोलॉजिस्ट थे। यह वाराणसी का बड़ा प्राइवेट मेडिकल कॉलेज है। शुभंकर ने एम्स से MS और फिर MCh की डिग्री हासिल की थी।

शनिवार सुबह डॉ. शुभंकर ने ओपीडी में मरीजों को देखा। इसके बाद कैंपस में ही अपने कमरे में आ गए। बताया जा रहा है कि शाम को उनका फोन पर पत्नी से विवाद हो गया। इसके बाद रूम से हॉस्पिटल गए। वहां ऑपरेशन थियेटर से इंजेक्शन और कुछ सीरिंज ली और वापस कमरे में आए। गेट बंद करके इंजेक्शन लगा लिया।

डॉ. शुभांकर गौतम, मृतक

रात 10 बजे तक जब डॉक्टर हॉस्टल मेस में खाना खाने नहीं गए तो उनके साथी डॉक्टरों ने उन्हें कॉल की, लेकिन फोन नहीं उठा। साथी सुरक्षा गार्ड को लेकर उनके कमरा नंबर- 802 पहुंचे। काफी देर खटखटाया, लेकिन दरवाजा नहीं खुला। इसके बाद दरवाजा तोड़कर अंदर गए तो वहां बेड पर शुंभकर का शव पड़ा था। डॉक्टर शुभंकर बिहार के पटना के रहने वाले थे। उनकी 5 साल पहले शादी हुई थी। वह वाराणसी में अकेले ही रहते थे।

पुलिस ने डॉक्टर शुभंकर का मोबाइल जांच के लिए जब्त कर लिया है। सूत्रों के मुताबिक, आखिरी कॉल उन्होंने अपनी पत्नी और परिवार को की थी। क्या बात हुई, ये अभी पता नहीं चल पाया है। रविवार सुबह डॉक्टर का परिवार पटना से वाराणसी पहुंच गया है। पुलिस ने कहा कि परिवार के पहुंचने के बाद ही सुसाइड के कारणों का पता चल सकेगा। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

साथियों ने बताया कि कुछ दिनों से शुभंकर परेशान रहते थे।

एनेस्थीसिया की ओवरडोज ली, बैठे-बैठे मौत हो गई

साथी डॉक्टरों ने डॉ. शुभंकर के कमरे का गेट तोड़कर अंदर जाने का वीडियो बनाया। इसमें सुरक्षा गार्ड कमरे का दरवाजा तोड़ते दिखाई दे रहे हैं। अंदर जाने पर बेड पर सिर झुकाए शुभंकर का शव बैठी हुई हालत में पड़ा था।

साथी महिला डॉक्टर ने शुभंकर को आवाज दी और उन्हें हिलाया, लेकिन शरीर में कोई हलचल नहीं हुई। यह देखकर वह घबरा गईं और चीखते हुए कमरे से बाहर भागीं। जिस बेड पर शुभंकर का शव मिला, उसके पास पॉलिथिन में सीरिंज और दवा की खाली शीशी पड़ी थी। दवा किस चीज की थी, यह अभी क्लियर नहीं है। हालांकि, चर्चा है कि वह एनेस्थीसिया की दवा थी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मौके पर पुलिस और फॉरेंसिक की टीम पहुंची। शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। कमरे की जांच के बाद सील कर दिया है।

बाराबंकी थाने में दो सिपाहियों के बीच मारपीट

ड्यूटी को लेकर विवाद के बाद भिड़े पुलिसकर्मी

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में बड्डूपुर थाना परिसर के कार्यालय में दो सिपाहियों के बीच मारपीट का सीसीटीवी फुटेज सामने आया है। वीडियो सामने आने के बाद पुलिस विभाग में हड़कंप मच गया। पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने मामले को गंभीरता से लेते हुए दोनों सिपाहियों को लाइन हाजिर कर दिया है। विभागीय स्तर पर मामले की जांच और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

वायरल सीसीटीवी फुटेज में दोनों सिपाही आपस में हाथापाई करते दिखाई दे रहे हैं। एक सिपाही दूसरे को जमीन पर गिराकर पीटता नजर आ रहा है। बताया जा रहा है कि दोनों के बीच काफी देर तक मारपीट हुई। घटना के दौरान कार्यालय में मौजूद अन्य पुलिसकर्मियों के बीच भी अफरा-तफरी का माहौल दिखाई दिया। शुरुआती जानकारी के अनुसार, दोनों सिपाहियों के बीच ड्यूटी को लेकर विवाद हुआ था। इसी विवाद के बाद दोनों थाना परिसर के कार्यालय में ही एक-दूसरे से भिड़ गए। हालांकि, विवाद की पूरी वजह और मारपीट की परिस्थितियों को लेकर विभागीय जांच की जा रही है।

वायरल सीसीटीवी फुटेज करीब तीन सप्ताह पुराना बताया जा रहा है। फुटेज सामने आने के बाद पुलिस अधिकारियों ने मामले का संज्ञान लिया और दोनों सिपाहियों को लाइन हाजिर कर दिया।

फास्ट न्यूज

मंत्री नंदी बोले- उद्यमी ऑनलाइन देख सकें फाइल किस टेबल पर

गोरखपुर। गोरखपुर में औद्योगिक निवेश को बढ़ावा देने के लिए GIDA अपना लैंड बैंक मजबूत करेगा। प्रदेश के औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता 'नंदी' ने रविवार को GIDA अधिकारियों को निर्देश दिया कि उद्यमियों की जरूरत के मुताबिक पर्याप्त जमीन उपलब्ध कराने के लिए किसानों से बातचीत कर तेजी से जमीन खरीदी जाए।

गंगा का जलस्तर घटा, 84 घाटों का संपर्क टूटा

वाराणसी। वाराणसी में दोपहर 2.30 बजे अचानक आसमान में काले बादल छाए और तेज बारिश हुई। शहर का तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। हवा की रफ्तार करीब 13 किलोमीटर प्रति घंटे है, जबकि वातावरण में नमी का स्तर 85 प्रतिशत दर्ज किया गया। मौसम में नमी अधिक होने के कारण उमस का असर भी महसूस किया जा रहा है।

इस मानसूनी सीजन वाराणसी में बारिश सामान्य से अधिक हुई है। अब तक औसत के मुकाबले करीब 18 प्रतिशत अधिक बारिश दर्ज की गई है।

विश्वकर्मा नगर के लोगों ने निकाला मार्च

वाराणसी। वाराणसी के चितईपुर क्षेत्र स्थित विश्वकर्मा नगर कॉलोनी में जलभराव और सीवर की समस्या से लोग परेशान हैं। स्थानीय लोगों का गुस्सा रविवार को सड़क पर उतर आया। कॉलोनी के लोगों ने हाथों में बैनर-पोस्टर लेकर मार्च निकाला। प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान लोगों ने कॉलोनी में जलजमाव की तस्वीरें भी बैनर पर प्रदर्शित कीं और कहा कि वर्षों से समस्या झेलने के बावजूद अब तक इसका स्थायी समाधान नहीं हुआ है।

5वां श्री गणेश महोत्सव व रात्रि जागरण आज

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। श्री गणपति सेवा समिति सूरतगंज की ओर से आयोजित 15वें श्री गणेश महोत्सव एवं रात्रि जागरण का भव्य आयोजन सोमवार शाम हनुमान मंदिर, बेल चौराहा पर किया जाएगा। धार्मिक आयोजन को लेकर समिति की ओर से तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। आयोजन में सूरतगंज क्षेत्र के अलावा दूर-दराज के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की उम्मीद है।

आयोजकों के मुताबिक, विशाल रात्रि जागरण में श्रद्धालुओं के लिए आकर्षक धार्मिक झांकियां विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगी। ऋषि एंड ऋषि तथा अमन तूफानी की ओर से मनमोहक झांकियों की प्रस्तुति की जाएगी। वहीं कनपुरिया ब्रदर्स एवं साक्षी शर्मा, कानपुर द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। भक्ति गीतों और धार्मिक प्रस्तुतियों से देर रात तक आयोजन स्थल भक्तिमय वातावरण में सराबोर रहेगा। समिति के सदस्यों ने बताया कि महोत्सव में शामिल होने वाले श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। आयोजन को लेकर क्षेत्र के लोगों में भी खासा उत्साह है। बड़ी संख्या में भक्तों के पहुंचने के चलते समिति के कार्यकर्ताओं को अलग-अलग जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं, ताकि कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न कराया जा सके।

गणेश महोत्सव के क्रम में 15 सितंबर, मंगलवार को कार्यक्रम स्थल से ज्योति विसर्जन शोभायात्रा निकाली जाएगी। शोभायात्रा सूरतगंज कस्बे के विभिन्न मार्गों से भ्रमण करते हुए आगे बढ़ेगी। इस दौरान श्रद्धालु धार्मिक जयघोष और भक्ति भाव के साथ शोभायात्रा में शामिल होंगे। इसके बाद बभनावा स्थित सुमली नदी में ज्योति का विसर्जन किया जाएगा।

हापुड़ में थाने में पहरे की ड्यूटी पर था ■ 15 दिनों की छुट्टी खत्म कर लौटा था

सिपाही ने सरकारी राइफल से गोली मारी, हुई मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

हापुड़ । हापुड़ में थाने में पहरा दे रहे सिपाही की सरकारी राइफल से गोली लगने से मौत हो गई। गोली उसके सीने में लगी है। गोली चलने की आवाज सुनकर अन्य पुलिसकर्मी मौके पर पहुंचे। तब तक सिपाही की मौत हो चुकी थी।

रविवार सुबह करीब 11 बजे की यह घटना जिला मुख्यालय से करीब 40 किलोमीटर दूर धौलाना थानाक्षेत्र की है। एडिशनल एसपी ने बताया कि सिपाही ने सरकारी राइफल से खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली। सिपाही की पहचान आगरा के निबोहरा थानाक्षेत्र के हीरापुर गांव के रहने वाले आशीष वर्मा (23) के रूप में हुई है। वह 2025 में यूपी पुलिस में भर्ती हुए थे। अप्रैल 2026 में धौलाना थाने में पहली तैनाती मिली थी। सिपाही की गोली लगने से मौत की सूचना के बाद धौलाना थाने में लोगों की भीड़ जुट गई। सिपाही आशीष का परिवार आगरा के निबोहरा थाना क्षेत्र के हीरापुर गांव में रहता है। पिता त्रिभुवननाथ खेती करते हैं। मां राजकुमारी के अलावा परिवार में दो बहनें और एक भाई हैं। बड़ी बहन सुंदरी की शादी हो चुकी है, जबकि छोटी बहन भावना और छोटा भाई संतोष पढ़ाई करते हैं। आशीष की अभी शादी नहीं हुई थी। चाचा मुकेश कुमार ने बताया, ₹रविवार सुबह थाने से फोन आया था। बताया गया कि आशीष ने गोली मारकर आत्महत्या कर ली है। कहा गया कि वह तनाव में था। लेकिन उसे किस बात की परेशानी थी, इसकी जानकारी हम लोगों को नहीं है। बेटे की मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

सिपाही आशीष वर्मा, मृतक

> शुरुआती जांच में सिपाही के मानसिक तनाव में होने की बात सामने आ रही है। हालांकि, आधिकारिक तौर पर मौत की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। चर्चा है कि गोली मारने से पहले सिपाही ने किसी से फोन पर बात की थी। यह भी कहा जा रहा है कि उस पर काफी अधिक लोन था।

15 दिन की छुट्टी लेकर गांव गए थे

सिपाही आशीष वर्मा करीब 15 दिन की छुट्टी लेकर गांव हीरापुर गए थे। छुट्टी खत्म होने से 3 दिन पहले ही वह वापस लौट आए थे। हालांकि, उन्होंने तत्काल ड्यूटी ज्वाइन नहीं की थी और थाने के पुलिस क्वार्टर में रेस्ट किया था। साथी पुलिसकर्मियों के अनुसार, शुक्रवार को उन्होंने ड्यूटी ज्वाइन की थी।

शनिवार को आशीष की ड्यूटी पिलखुवा चौराहे पर लगाई गई थी। यहां उन्हें वाहनों की सुरक्षा व्यवस्था और यातायात सुचारु रखने की जिम्मेदारी दी गई थी। इसके बाद रविवार को वह थाने में पहरे की ड्यूटी कर रहे थे।

लखीमपुर में पेड़ नदी में समाया, भदोही में अजगर निकला, 19 जिलों में अलर्ट

चंदौली में 6 डैम ओवरफ्लो झरने की तरह बहा पानी

तमसा संकेत, एजेंसी

वाराणसी, प्रयागराज। यूपी में मानसूनी बारिश से नदियां उफान पर हैं। 26 जिलों में बाढ़ जैसे हालात हैं। 4 लाख की आबादी प्रभावित है। चंदौली में 6 डैम ओवरफ्लो हो चुके हैं। सभी के गेट खोलकर पानी छोड़ा जा रहा। लतीफशाह डैम से पानी झरने की तरह बह रहा है।

लखीमपुर खीरी में शारदा नदी का कटान तेज हो गया है। एक विशाल पेड़ नदी में समा गया। बलिया में गंगा-सरयू खतरे के निशान के ऊपर बह रही हैं। कई गांव-मोहल्ले बाढ़ से घिर गए हैं। सड़कों पर नाव चल रही है। भदोही में गांव में 15 फीट लंबा अजगर निकल आया। वन विभाग की टीम ने उसे पकड़कर जंगल में छोड़ा। कानपुर-उन्नाव में गंगा खतरे के निशान के करीब पहुंच गई हैं। नदी किनारे बसे गांवों में 10 फीट तक पानी भर गया है।

वाराणसी में अचानक आसमान में काले बादल छा गए। इसके बाद तेज बारिश शुरू हो गई। लखनऊ से सटे बाराबंकी में मस्जिद का आधा हिस्सा सरयू नदी के ऊपर लटका है। कभी भी इसका बाकी हिस्सा नदी में समा सकता है। शनिवार सुबह से ज्यादातर जिलों में धूप निकली है। मौसम विभाग ने आज 19 जिलों में बारिश का अलर्ट जारी किया है। पिछले 24 घंटे में 50 जिलों में बारिश हुई। चंदौली के पहाड़ी इलाकों में बारिश के चलते रविवार सुबह 6 डैम से कुल 5,256 क्यूसेक पानी नदियों में छोड़ा गया। इसमें नौगढ़ डैम से 495, चंद्रप्रभा से 396, मुसाखाड़ से 1,634, भैसोड़ा से 75, लतीफशाह डैम से 1,795 और मुजफ्फरपुर डैम से 861 क्यूसेक पानी छोड़ा गया। मऊ में सरयू नदी का जलस्तर पिछले 24 घंटे में 10 सेंटीमीटर घटकर शनिवार को 70.35 मीटर पर पहुंच गया।

कटान की जद में मस्जिद

वाराणसी में अचानक बदला मौसम, काले बादलों के साथ तेज बारिश शुरू

वाराणसी में दोपहर 2:30 बजे अचानक आसमान में काले बादल छा गए। इसके बाद तेज बारिश शुरू हो गई। बारिश से मौसम सुहाना हो गया और लोगों को गर्मी से राहत मिली। वाराणसी में तापमान 28 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

> लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया-यूपी में मानसून अभी सक्रिय है। बंगाल की खाड़ी में सिस्टम बना हुआ है। इसके चलते अगले कुछ दिनों तक प्रदेश के अलग-अलग हिस्सों में बारिश का दौर जारी रह सकता है। पूर्वी यूपी में बारिश की ज्यादा संभावना है।

जिस होटल में हत्या के सुबूत, उसमें भीषण आग

महिला की मौत के बाद कमरा सील था

तमसा संकेत, एजेंसी

मेरठ। मेरठ के अविका होटल में शनिवार को भीषण आग लग गई। आग से होटल के कमरे जलकर राख हो गए। बाहर खड़ी दो कारें भी आग की चपेट में आ गईं। दमकल की 5 से अधिक गाड़ियों ने मौके पर पहुंचकर काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

वहीं आग के बाद दूसरा पहलू भी सामने आया है। इसी होटल के कमरे में 7 महीने पहले तुर्कमेनिस्तान की महिला मुहब्बत सुनातोव्ना की मौत हो गई थी। मौत के बाद पुलिस ने कमरे को सील कर दिया था। माना जा रहा है कि मौत के बाद उससे जुड़े सबूत चपेट में आ गए होंगे। हालांकि पुलिस जांच पड़ताल कर रही है कि कमरे से सबूत मिटे हैं या सुरक्षित हैं। दरअसल, 17 फरवरी 2026 को मवाना क्षेत्र में एक महिला का शव मिला था। पुलिस ने लंबी जांच के बाद डीएनए टेस्ट के जरिए उसकी पहचान तुर्कमेनिस्तान की महिला मुहब्बत सुनातोव्ना के रूप में की थी। इसके बाद पुलिस ने हत्या की जांच शुरू की तो मेरठ के अविका होटल का कनेक्शन भी सामने आया। पुलिस के अनुसार, हत्या के मामले में होटल से जुड़े चंचल कुमार नंदवानी उर्फ बंटी समेत कई आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था। जांच के दौरान होटल के एक कमरे को सील कर दिया गया था।

मुहब्बत सुनातोव्ना, मृतक

धक्कामुक्की : विनोद साहनी के परिवार से मिलने जा रहे थे; पल्लवी पटेल चकमा देकर गोंडा पहुंचीं

चंद्रशेखर- पूर्व गर्लफ्रेंड रोहिणी के समर्थक भिड़े

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में सांसद चंद्रशेखर और उनकी पूर्व गर्लफ्रेंड रोहिणी घावरी के समर्थक भिड़ गए। हुआ यूं कि चंद्रशेखर लखनऊ से 1 हजार कार्यकर्ताओं के साथ गोंडा में कारोबारी विनोद साहनी हत्याकांड के पीड़ित परिवार से मिलने जा रहे थे। इसका पता चलते ही पुलिस अलर्ट हो गई। रामनगर में 100 से ज्यादा पुलिसकर्मियों ने बैरिकेडिंग कर चंद्रशेखर को आगे बढ़ने से रोक दिया। इससे वह और उनके कार्यकर्ता भड़क गए। पुलिस से उनकी धक्कामुक्की भी हुई।

गुस्से में चंद्रशेखर ने कहा-झे बाराबंकी में क्यों रोका जा रहा है? पुलिस की मौजूदगी में कुछ लोगों ने हमारी गाड़ियों और कार्यकर्ताओं पर पत्थर-जूते फेंके। इससे लगता है कि प्रदेश में दलितों-पिछड़ों को न जीते जी न्याय मिलेगा, न मरने के बाद। इसी बीच चंद्रशेखर की पूर्व गर्लफ्रेंड रोहिणी घावरी के सैकड़ों समर्थक पहुंच गए। उन्होंने 'चंद्रशेखर रावण मुर्दाबाद' और 'रोहिणी घावरी को इंसाफ दो' के नारे लगाए। उन्होंने कहा- पहले यहां इंसाफ दें, फिर वहां जाएंगे।

इसके बाद चंद्रशेखर और रोहिणी के समर्थकों में बहस होने लगी। देखते ही देखते धक्का-मुक्की शुरू हो गई।

दोनों पक्षों को संभालने में पुलिस के पसीने छूट गए। पुलिस ने रोहिणी के समर्थकों को किसी तरह हटाया। चंद्रशेखर को पुलिस निरीक्षण भवन के पास ले आई। वहां सांसद सड़क के बीच बैठ गए। 20-25 मिनट बाद वह कार्यकर्ताओं के साथ लखनऊ लौट गए। इधर, पुलिस रोहिणी और चंद्रशेखर के कार्यकर्ताओं को संभालने में लगी थी।

पल्लवी पटेल बोलीं- आतंकवादियों से ज्यादा खतरा 'जातंकवादियों' से

विनोद साहनी हत्याकांड पर विधायक पल्लवी पटेल ने कहा- जिस तरह से हत्या को अंजाम दिया गया, उससे पीड़ित वर्ग डर चुका है।

पल्लवी पटेल ने कहा कि यूपी में आज सरहदों पर आतंकवादियों से ज्यादा खतरा 'जातंकवादियों' से है। सरकार और सत्ता के संरक्षण में रहने वाला समुदाय पीड़ितों पर इस तरह हमला कर रहा है, जैसे इंसान की कोई कीमत ही नहीं रह गई हो।

देखते ही देखते दोनों आमने-सामने आ गए और धक्का-मुक्की शुरू हो गई। पुलिस को दोनों पक्षों को संभालने में पसीने छूट गए।

चंद्रशेखर और सीओ में बहस

कार्यकर्ताओं में भिड़ंत के बाद सांसद चंद्रशेखकर नाराज हो गए। उन्होंने सीओ से कहा- पहले उनको बुलाओ, फिर बात करेंगे। जवाब में अफसर ने कहा- आपके सामने ही बात होगी। चंद्रशेखर बोले- यहीं बुलाओ, वहां जाने का क्या मतलब है? पहले उनको बुलाओ।

इस पर सीओ ने कहा- चलिए, आपके सामने बात करेंगे। चंद्रशेखर ने कहा- यहीं बुलाओ न, आगे की बात बाद में करेंगे। पहले उनको बुलाओ। अगर आमना-सामना हो रहा था तो आपने उनको वहां से क्यों नहीं हटाया?

कजरी तीज पर महादेवा की ओर उमड़ा आस्था का सैलाब

तमसा संकेत, संवाददाता

सूरतगंज (बाराबंकी)। कजरी तीज के पावन पर्व को लेकर रविवार को क्षेत्र में आस्था और भक्ति का माहौल देखने को मिला। बाराबंकी जनपद के साथ ही सीतापुर और आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के जत्थे भगवान भोलेनाथ के दर्शन और जलाभिषेक के लिए प्रसिद्ध लोधेश्वर महादेवा धाम की ओर रवाना हुए। श्रद्धालुओं के जत्थों में सजी आकर्षक झांकियां और भक्ति गीतों से पूरा सूरतगंज फतेहपुर मार्ग शिवमय नजर आया।

सुबह से ही ग्रामीण क्षेत्रों से श्रद्धालुओं के छोटे-बड़े जत्थे महादेवा की ओर जाते दिखाई दिए। कई जत्थों में भगवान शिव, माता पार्वती और अन्य धार्मिक स्वरूपों की सुंदर झांकियां सजाई गई थीं। ट्रैक्टर-ट्रॉली, निजी वाहनों और अन्य साधनों से श्रद्धालु महादेवा के लिए रवाना हुए। रास्ते में जगह-जगह लोगों ने श्रद्धालुओं का स्वागत किया।कजरी तीज के अवसर पर महादेवा पहुंचने वाले श्रद्धालुओं में महिलाओं की संख्या भी काफी रही। महिलाएं भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा-अर्चना कर परिवार की सुख-समृद्धि और पति की दीर्घायु की कामना करती हैं। वहीं पुरुष और युवा श्रद्धालु भी हर-हर महादेव के जयकारों के साथ मंदिर की ओर बढ़ते नजर आए। सूरतगंज फतेहपुर मार्ग पर रविवार को श्रद्धालुओं की आवाजाही बढ़ने से पूरे रास्ते में धार्मिक उत्सव जैसा माहौल दिखाई दिया। कहीं डीजे और भक्ति गीतों की धुन सुनाई दी तो कहीं श्रद्धालु हाथों में भगवा ध्वज लेकर भगवान शिव के जयकारे लगाते हुए आगे बढ़ रहे थे। सुंदर झांकियां राहगीरों और ग्रामीणों के आकर्षण का केंद्र बनी रहीं। सीतापुर जनपद के रामपुर मथुरा व आस पास गांवों के राम नरेश , विपिन , महेंद्र , शिव कैलाश , शिल्पी, दीपिका, सरोज, कन्हैया, हंसराज, विनय, राज कुमार सहित श्रद्धालुओं का कहना था कि कजरी तीज के पावन अवसर पर लोधेश्वर महादेव के दर्शन और जलाभिषेक करने की विशेष मान्यता है। इसी आस्था के चलते दूर-दराज के गांवों से भी लोग पैदल और विभिन्न वाहनों से महादेवा पहुंचते हैं।

रात में स्कूल की रखवाली सुबह मौत, छह महीने से मानदेय न मिलने की बात भी सामने आई

फंदे से मिला पीआरडी जवान का शव

जांच

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अंबेडकरनगर। खासपुर स्थित पीएमश्री कंपोजिट विद्यालय में रात की सुरक्षा ड्यूटी पर तैनात पीआरडी जवान वीरेंद्र की रविवार सुबह संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। उसका शव विद्यालय परिसर के कमरे में फंदे से लटका मिला। सुबह काफी देर तक दरवाजा नहीं खुलने पर आसपास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर शव बाहर निकाला। मौत की वजह अभी स्पष्ट नहीं है। रायपुर सकरावल निवासी करीब 35 वर्षीय वीरेंद्र की ड्यूटी विद्यालय में रात के समय सुरक्षा के लिए लगाई गई थी। बताया गया कि वह ड्यूटी के दौरान विद्यालय परिसर में बने कमरे में ही रहता था।

> सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। कमरे का दरवाजा अंदर से बंद था। पुलिस ने दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया तो वीरेंद्र का शव फंदे से लटका मिला। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घटनास्थल का निरीक्षण कर आसपास के लोगों से भी जानकारी ली गई।

शनिवार रात भी वह विद्यालय में मौजूद था। रविवार सुबह करीब सात बजे तक कमरे का दरवाजा नहीं खुला। कोई गतिविधि नहीं दिखने पर लोगों को संदेह हुआ और पुलिस को सूचना दी गई।

मामले की सूचना पर डीएसपी प्रदीप चंदेल और थाना प्रभारी सुनील पांडेय ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने कमरे और आसपास की स्थिति देखी। मौत को लेकर अभी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट और जांच में सामने आने वाले तथ्यों के आधार पर आगे की स्थिति स्पष्ट होगी।

छह महीने से मानदेय नहीं मिलने की बात

परिजनों के मुताबिक वीरेंद्र को करीब छह महीने से मानदेय नहीं मिला था। यह बात सामने आने के बाद पुलिस विभिन्न पहलुओं की जांच कर रही है। हालांकि, मानदेय नहीं मिलने का उसकी मौत से सीधा संबंध है या नहीं, इसकी पुष्टि अभी नहीं हुई है।

वीरेंद्र के परिवार में पत्नी प्रतिमा देवी, दो बेटे और दो बेटियां हैं। घटना के समय पत्नी मायके में थीं। जानकारी मिलने के बाद परिवार में कोहराम मच गया।

दरवाजा अंदर से बंद मिलने पर जांच तेज

पुलिस के सामने फिलहाल कमरे का अंदर से बंद होना और मौत की वजह अहम बिंदु हैं। घटनास्थल की परिस्थितियों के साथ ही परिवार और आसपास के लोगों से मिली जानकारी को भी जांच में शामिल किया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की स्थिति और कारण को लेकर तस्वीर और साफ होगी।

अब मोबाइल पर मिलेगा काम का मौका आया डिजिटल लेबर चौक एप

कौशल और अनुभव के आधार पर रोजगार से जुड़ेंगे श्रमिक

जिले में 1.51 लाख पंजीकृत श्रमिक

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। रोजगार की तलाश में श्रमिकों को अब काम की तलाश में इधर-उधर भटकने से राहत मिल सकती है। श्रम विभाग ने स्थानीय स्तर पर श्रमिकों को रोजगार से जोड़ने के लिए उत्तर प्रदेश डिजिटल लेबर चौक एप शुरू किया है। इसके माध्यम से श्रमिक अपनी प्रोफाइल तैयार कर कौशल और अनुभव के अनुसार रोजगार के अवसर तलाश सकेंगे।

एप निर्माण श्रमिकों के अलावा राजमिस्त्री, बढ़ई, प्लंबर, इलेक्ट्रि-शियन, पेंटर, वेल्डर और टाइल्स मिस्त्री समेत कुशल, अर्द्धकुशल और अकुशल श्रमिकों के लिए उपयोगी है। मोबाइल नंबर से

पंजीयन के बाद श्रमिक नाम, पता, काम का प्रकार, कौशल, अनुभव और इच्छित कार्य क्षेत्र की जानकारी दर्ज कर सकेंगे।

सहायक श्रमायुक्त संत पाल ने बताया कि एप के माध्यम से श्रमिकों और रोजगार देने वालों के बीच संपर्क आसान होगा। प्रोफाइल में दर्ज कौशल और अनुभव के आधार पर श्रमिकों को उपयुक्त काम की जानकारी मिलने में मदद मिलेगी।

श्रम विभाग जागरूकता और पंजीयन शिविर लगाकर श्रमिकों को एप डाउनलोड कराने के साथ प्रोफाइल बनाने और अपडेट करने की जानकारी दे रहा है। समस्या होने पर श्रमिक श्रम कार्यालय, जनसेवा केंद्र या विभागीय शिविर से सहायता ले सकते हैं। जिले में करीब 1.51 लाख श्रमिक पंजीकृत हैं। इनमें अब तक केवल 315 श्रमिकों ने डिजिटल लेबर चौक एप इंस्टाल किया है। विभाग की ओर से श्रमिकों को अधिक से अधिक संख्या में डिजिटल माध्यम से जोड़ने पर जोर दिया जा रहा है। श्रम विभाग ने श्रमिकों से प्रोफाइल में सही कौशल और अनुभव दर्ज करने तथा उसे समय-समय पर अपडेट रखने की अपील की है। पात्र श्रमिकों को विभाग की सात योजनाओं और अन्य संबंधित योजनाओं के लिए अपना पंजीयन व नवीनीकरण भी अद्यतन रखने को कहा गया

फास्ट न्यूज

बिजली गुल होते ही एक जवाब- 'मेन सप्लाई फेल'

आलापुर (अंबेडकरनगर)। क्षेत्र में बिजली कटौती का सिलसिला उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ा रहा है। दिन हो या रात, आपूर्ति बाधित होने पर लोगों को लंबे समय तक बिजली का इंतजार करना पड़ रहा है। सबसे ज्यादा परेशानी गर्मी और उमस के बीच हो रही है। बिजली कटते ही जब उपभोक्ता विभागीय कर्मचारियों से कारण पूछते हैं, तो उन्हें अक्सर एक ही जवाब मिलता है—'मेन सप्लाई फेल है।'

कर्ज की वसूली हो, किसान की बेइज्जती नहीं

अंबेडकरनगर। किसान के लिए कर्ज केवल बैंक की देनदारी नहीं है। फसल खराब होने, लागत बढ़ने और उपज का उचित दाम न मिलने पर यही कर्ज परिवार पर अतिरिक्त बोझ बन जाता है। ऐसे में ऋण की वसूली जरूरी है, लेकिन किसानों के नाम सार्वजनिक कर उन पर सामाजिक दबाव बनाने की प्रक्रिया सवाल खड़े करती है। जनपद में कुछ बैंकों के बाहर केसीसी के बकायेदार किसानों के नाम बड़े बकायेदार के रूप में प्रदर्शित किए जाने का मामला सामने आया है। इनमें अपेक्षाकृत छोटे कृषि ऋण लेने वाले किसान भी शामिल बताए जा रहे हैं।

4 साल में सनी ने जीते चार नेशनल पदक

गोरखपुर। नेशनल किकबॉक्सिंग चैंपियनशिप में गोरखपुर के सनी सिंह ने उत्तर प्रदेश की तरफ से खेलते हुए कांस्य पदक जीता।

इसके साथ ही वह लगातार चौथे साल राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीतने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। सनी ने 2023 से 2026 तक लगातार नेशनल चैंपियनशिप में पदक अपने नाम किया है। सनी डीडीयू के एमए विभाग का छात्र हैं।

नाबालिग से अपराध और धमकी के मामले में 23 वर्षीय युवक गिरफ्तार

जलालपुर पुलिस ने मालीपुर मोड़ के पास पकड़ा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जलालपुर पुलिस ने नाबालिग से संबंधित पॉक्सो मामले में वांछित 23 वर्षीय युवक को रविवार दोपहर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को मालीपुर मोड़ के पास से मुखबिर की सूचना पर पकड़ा। उसकी पहचान जलालपुर थाना क्षेत्र के सोहगूपुर गांव निवासी कुन्दन के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ नाबालिग के साथ यौन अपराध करने, उसका पीछा करने या संपर्क करने तथा धमकी देने के आरोप में मामला दर्ज है। पॉक्सो एक्ट के तहत दर्ज इस मामले में आरोपी वांछित चल रहा था।

रविवार को जलालपुर पुलिस क्षेत्र में तलाश और चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर ने आरोपी के मालीपुर मोड़ के पास होने की सूचना दी। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और आरोपी

को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बताया कि आरोपी की उम्र करीब 23 वर्ष है। उसके खिलाफ इसी मामले में कार्रवाई चल रही है। गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी की।

पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी को रिमांड के लिए न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है। मामले की विवेचना जारी है और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अदालत का वारंट लेकर घर पहुंची पुलिस, पांच वारंटी गिरफ्तार

टांडा कोतवाली पुलिस ने अलग-अलग गांवों में दी दबिश

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। टांडा कोतवाली पुलिस ने न्यायालय से जारी गैर जमानती वारंट के अनुपालन में रविवार को पांच वारंटी आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस टीम ने आरोपियों के घरों पर दबिश दी। सभी अपने-अपने घर पर मिले। वारंट की जानकारी देने के बाद उन्हें हिरासत में लिया गया। आवश्यक कार्रवाई पूरी करने के बाद पुलिस ने सभी को संबंधित न्यायालय में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी। पुलिस के मुताबिक कार्रवाई प्रभारी निरीक्षक दीपक सिंह रघुवंशी के नेतृत्व में की गई। गिरफ्तार आरोपियों में बहलोलपुर निवासी रामतीरथ (59), बलया जगदीशपुर निवासी युसुफ (55), डुहिया निवासी सर्वेश (20), सद्दोपुर निवासी पूर्णमासी (48) और

बहोरापुर निवासी छोटेलाल (59) शामिल हैं। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार रामतीरथ से जुड़े पुराने मामले में मारपीट, चोट पहुंचाने, किसी व्यक्ति को गलत तरीके से रोकने या बंधक बनाने, जबरन ले जाने और धमकी देने जैसे आरोप हैं। युसुफ से संबंधित मामले में मारपीट कर चोट पहुंचाने और गाली-गलौज का आरोप है। वहीं सर्वेश के मामले में कई लोगों के एक साथ मिलकर मारपीट करने, गाली-गलौज और धमकी देने के आरोप दर्ज हैं। पूर्णमासी के मामले में मारपीट, गाली-गलौज और धमकी देने का आरोप है। जबकि छोटेलाल से जुड़े मामले में समूह बनाकर मारपीट करने, घर में घुसने, मारपीट और गाली-गलौज के साथ धमकी देने के आरोप हैं। पुलिस ने बताया कि न्यायालय से पांचों के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी हुआ था। इसके अनुपालन में टीम ने संबंधित गांवों में आरोपियों के घरों पर दबिश दी। सभी के मौके पर मिल जाने के बाद गिरफ्तारी की गई। कार्रवाई करने वाली टीम में उपनिरीक्षक अजीत कुमार चौधरी, पंकज कुमार और अर्जुन के साथ हेड कांस्टेबल फूलचंद्र, विजय कुमार तथा कांस्टेबल उमाकांत यादव, अभय गुप्ता और पिंटू कुमार शामिल रहे।

ताइक्वांडो में अंबेडकरनगर के खिलाड़ियों का दमदार प्रदर्शन

अनंत विक्रम और खुशनूद फातमा ने स्वर्ण पर जमाया कब्जा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। सुल्तानपुर में आयोजित तीन दिवसीय ओपन राज्य स्तरीय ताइक्वांडो प्रतियोगिता में अंबेडकरनगर के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। जिले से बुद्ध वॉरियर्स ताइक्वांडो एकेडमी जलालपुर के दो और ब्लू बेल्स स्कूल अकबरपुर के एक खिलाड़ी ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। तीनों खिलाड़ियों ने अपने-अपने भार वर्ग में बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण और एक रजत पदक हासिल किया। सुल्तानपुर ताइक्वांडो एसोसिएशन की ओर से प्रतियोगिता का आयोजन 11 सितंबर से एसएम डिग्री कॉलेज में किया गया। प्रतियोगिता के पहले दिन ब्लू बेल्स स्कूल के अनंत विक्रम सिंह ने सब-जूनियर वर्ग के अंडर-35 किलोग्राम भार वर्ग में मुकाबला किया। शानदार प्रदर्शन के साथ अनंत ने स्वर्ण पदक अपने नाम किया। प्रतियोगिता के

दूसरे दिन बुद्ध वॉरियर्स ताइक्वांडो एकेडमी की खुशनूद फातमा ने कैडेट बालिका वर्ग के अंडर-38 किलोग्राम भार वर्ग में हिस्सा लिया। उन्होंने मुकाबलों में प्रभावी प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक हासिल किया। इसी दिन एकेडमी के विनायक सिंह ने कैडेट वर्ग के अंडर-41 किलोग्राम भार वर्ग में प्रतिभाग किया। कड़े मुकाबलों के बीच विनायक ने रजत पदक अपने नाम किया। तीनों खिलाड़ियों के प्रदर्शन से जिले के खेल जगत में खुशी है। प्रतियोगिता में पदक जीतने के बाद खिलाड़ियों को उत्तर प्रदेश ताइक्वांडो एसोसिए-शन के सचिव हरीश पाल और संयुक्त सचिव अतुल यादव ने मेडल पहनाकर सम्मानित किया।

29.7 किमी का नार्थ-साउथ कॉरिडोर तीन बड़े मार्गों को करेगा लिंक

666 करोड़ का फोरलेन जोड़ेगा अंबेडकरनगर का उत्तर-दक्षिण

बरियावन में ओवरब्रिज तो तमसा पर बनेगा नया पुल

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले की सड़क कनेक्टिविटी को नया आकार देने वाली नार्थ-साउथ कॉरिडोर परियोजना अब नए एस्टीमेट के साथ शासन की चौखट पर पहुंच गई है। करीब 29.700 किलोमीटर लंबे फोरलेन कॉरिडोर के निर्माण के लिए 665 करोड़ 65 लाख 22 हजार रुपये का प्रस्ताव तैयार किया गया है। खास बात यह है कि सड़क की चौड़ाई में बदलाव के बाद परियोजना की लागत पहले के अनुमान से करीब 105 करोड़ रुपये कम हो गई है। पहले करीब 771 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान था। यह कॉरिडोर जिले के तीन महत्वपूर्ण मार्गों को आपस में जोड़ेगा। इसमें एनएच-233 टांडा-

लुंबिनी, राज्य मार्ग-30 अयोध्या-बसखारी और एनएच-135ए अकबरपुर-शाहगंज शामिल हैं। प्रस्तावित मार्ग जिले के उत्तर और दक्षिण हिस्सों के बीच आवागमन को नया विकल्प देगा। मुख्य सड़क निर्माण के लिए लोक निर्माण विभाग ने 329 करोड़ 38 लाख सात हजार रुपये का प्रस्ताव तैयार किया है। इसके अलावा बिजली के तार और खंभे हटाने पर करीब 6.30 करोड़ रुपये, पेड़ों की कटाई और पुनरोपण पर 5.20 करोड़ रुपये तथा पानी की पाइपलाइन व सिंचाई साधनों को हटाने पर 8.55 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है।

> फोरलेन के लिए सड़क की चौड़ाई बढ़ाने के साथ जमीन और संपत्तियों का अधिग्रहण भी करना होगा। परियोजना के लिए 26.64 हेक्टेयर जमीन व संपत्तियों के अधिग्रहण का प्रस्ताव है। इसके मुआवजे पर 159 करोड़ 33 लाख 85 हजार रुपये खर्च किए जाएंगे।

बरियावन में बाजार के ऊपर बनेगा फोरलेन ओवरब्रिज

कॉरिडोर में बरियावन बाजार का हिस्सा सबसे महत्वपूर्ण संरचनाओं में शामिल है। यहां फोरलेन ओवरब्रिज बनाया जाएगा। इसके लिए सेतु निगम ने 137 करोड़ 71 लाख रुपये का प्रस्ताव रखा है। वहीं सुल्तानगढ़ में तमसा नदी पर नया टू-लेन पुल बनेगा। नदी पर पहले से एक पुल है, लेकिन फोरलेन सड़क के लिए अतिरिक्त चौड़ाई की जरूरत को देखते हुए नए पुल का प्रस्ताव तैयार किया गया है। इस पर 16 करोड़ 80 लाख रुपये खर्च होने का अनुमान है।

न्यायालय कर्मचारियों ने खोला मांगों का पिटारा, सरकार से जल्द फैसले की मांग

वेतन बढ़ोतरी से लेकर पदों के पुनर्गठन तक कई प्रस्ताव लंबित

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जनपद न्यायालय के कर्मचारियों से जुड़ी वर्षों पुरानी सेवा संबंधी मांगों को लेकर दीवानी न्यायालय कर्मचारी संघ ने सरकार का ध्यान खींचा है। संघ ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और अकबरपुर विधायक राम अचल राजभर को पत्र भेजकर लंबित प्रस्तावों पर जल्द निर्णय लेने की मांग की है। शाखा अध्यक्ष जगदीश वर्मा ने बताया कि प्रदेश के जनपद न्यायालयों के कर्मचारियों की कई सेवा संबंधी मांगें सरकार के स्तर पर लंबित हैं। संघ ने एफटीसी न्यायालयों के कर्मचारियों के वेतन में हाईकोर्ट के आदेश के अनुसार हर साल 10 प्रतिशत वृद्धि करने और हाईकोर्ट की सिफारिश के आधार पर सेवा नियमित करने की मांग रखी है। संघ ने पेड अप्रेंटिस

कर्मचारियों को जूनियर असिस्टेंट पद पर समायोजित करने के लिए जिला न्यायालय सेवा नियमावली में प्रस्तावित संशोधन को जल्द मंजूरी देने की मांग की है। प्रमोशन की सेवा शर्तों में छूट संबंधी संशोधन प्रस्ताव को भी मंजूरी देने की मांग की गई है। इसके अलावा जनपद न्यायालयों में समाप्त किए गए सीनियर एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर के पद को फिर से सृजित करने और 4600 ग्रेड पे वाले एडमिनिस्ट्रे-टिव ऑफिसर पद को राजपत्रित दर्जा देने की मांग है। कर्मचारियों के मकान किराया भत्ते के पुनर्निर्धारण की मांग भी पत्र में शामिल है। संघ ने क्लर्क कर्मचारियों की शैक्षणिक योग्यता स्नातक करने की मांग की है। राष्ट्रीय न्यायिक वेतन आयोग की सिफारिशों के अनुसार पुराने वेतनमान और समय-समय पर लागू वेतन स्तर का लाभ देने की मांग भी रखी गई है। संघ पदाधिकारियों का कहना है कि सभी प्रस्ताव लंबे समय से लंबित हैं। शाखा अध्यक्ष जगदीश वर्मा और शाखा सचिव वीरेश प्रताप सिंह समेत पदाधि-कारियों ने सरकार से मांगों पर शीघ्र निर्णय लेने का अनुरोध किया है।

दो नाबालिगों के लापता होने पर कांग्रेस ने उठाए सवाल

मुंडेरा पहुंचकर साजिद के परिवार से मिले नेता

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। हंसवर थाना क्षेत्र के मुंडेरा गांव से 13 वर्षीय साजिद के लापता होने के मामले में रविवार को कांग्रेस का 16 सदस्यीय प्रतिनि-धिमंडल उसके परिवार से मिला। जिला उपाध्यक्ष कुलदीप उपाध्याय के नेतृत्व में नेताओं ने साजिद के पिता रहीस से घटना की जानकारी ली। प्रतिनिधिमंडल के पहुंचने के दौरान पुलिसकर्मी भी मौके पर मौजूद रहे।

कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि परिवार की ओर से शिकायत देने के बावजूद पुलिस ने तत्काल गुमशुदगी दर्ज नहीं की। प्रतिनिधिमं-डल के पहुंचने के बाद रिपोर्ट दर्ज कर बच्चे की तलाश शुरू किए जाने का दावा किया गया। कांग्रेस ने इसे पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवाल बताया। जिला उपाध्यक्ष कुलदीप

उपाध्याय ने बताया कि टांडा कोतवाली क्षेत्र के रसूलपुर सकरावल गांव निवासी 13 वर्षीय रौनक भी छह सितंबर से लापता है। उन्होंने आरोप लगाया कि रौनक के परिवार की शिकायत पर भी स्थानीय पुलिस ने कई दिनों तक मामला दर्ज नहीं किया। उन्होंने दोनों मामलों में पुलिस की कार्रवाई की जांच कराने और जिम्मेदार पुलिसकर्मियों की भूमिका तय करने की मांग की। उनका कहना है कि साजिद के परिवार ने 11 सितंबर की देर शाम थाने में शिकायत दी थी।

निस्तारण : राष्ट्रीय लोक अदालत में 1,31,573 प्री-लिटिगेशन वाद सुलझे

एक दिन, 1.41 लाख मामलों का निपटारा

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। राष्ट्रीय लोक अदालत में शनिवार को समझौते के जरिए बड़ी संख्या में मामलों का निस्तारण किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अनुसार, जिले में आयोजित लोक अदालत में कुल 1,41,609 वादों का निपटारा हुआ। इनमें 1,31,573 प्री-लिटिगेशन मामले रहे। यानी ऐसे विवाद जिन्हें अदालत में मुकदमा दाखिल होने से पहले ही सुलझा लिया गया।

जनपद न्यायालय परिसर में आयोजित लोक अदालत में कुल 23 अदालतें लगाई गईं। न्यायालयों और ग्राम न्यायालयों ने 10,036 लंबित वादों का निस्तारण किया। इनमें मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट संदीप कुमार की अदालत ने एमवी एक्ट, चालानी और फौजदारी

मामलों समेत 5,418 मामलों का निपटारा किया। जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोष आयोग ने आठ मामलों का निस्तारण किया। इन मामलों में 48,21,418 रुपये की क्षतिपूर्ति दिलाई गई।

जनपद न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष चंद्रोदय कुमार ने कहा कि लोक अदालत में समझौते योग्य मामलों का निस्तारण आपसी सहमति से कराया जाता है। विवाद को मुकदमे में बदलने से पहले भी प्री-लिटिगेशन के माध्यम से समाधान कराया जा सकता है। इसके लिए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण में आवेदन किया जा सकता है।

राजस्व और बिजली के 23 हजार से अधिक मामले सुलझे

राजस्व न्यायालयों में 19,530 वाद निस्तारित किए गए। विद्युत विभाग से जुड़े 3,916 मामलों का भी समाधान हुआ। विभिन्न विभागों के स्तर पर 1,07,569 प्री-लिटिगेशन मामलों का निस्तारण किया गया।

> लोक अदालत में बैंकों की ओर से लगाए गए शिविरों में 552 मामलों का समझौते के आधार पर निपटारा हुआ। इन मामलों में कुल 3,77,29,520 रुपये का समझौता हुआ। इसमें 1,50,80,390 रुपये की राशि तत्काल वसूल की गई।

मोटरसाइकिल खड़ी कर अचानक लापता हुआ व्यक्ति, रेलवे स्टेशन पर मिला

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अकबरपुर में मोटरसाइकिल खड़ी कर लापता हुए 50 वर्षीय व्यक्ति को पुलिस ने कुछ ही घंटों में अकबरपुर रेलवे स्टेशन से सकुशल बरामद कर लिया। पुलिस ने आवश्यक कार्रवाई के बाद उसे पत्नी और बेटी के सुपुर्द कर दिया। महरुआ थाना क्षेत्र के हुसैनपुर हेड़ी गांव निवासी सपन मंडल शनिवार शाम पुरानी तहसील तिराहा पर अपनी मोटर-साइकिल खड़ी कर चले गए थे। काफी देर तक घर नहीं पहुंचने पर परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। कोई जानकारी न मिलने पर मामले की सूचना पुलिस को दी गई।

रात करीब नौ बजे पीआरवी के माध्यम से सूचना मिलने पर अकबरपुर कोतवाली पुलिस सक्रिय हुई। उपनिरीक्षक पुलिस टीम के साथ पुरानी तहसील तिराहा पहुंचे। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली गई। इसके बाद संभावित स्थानों पर तलाश और चेकिंग शुरू की गई।

सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद पुलिस ने प्लेटफार्म नंबर एक से सकुशल बरामद किया

पुलिस टीम अकबरपुर रेलवे स्टेशन पहुंची। प्लेटफार्म नंबर एक पर तलाश के दौरान सपन मंडल मिल गए। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में उन्होंने बताया कि परिवार में विवाद चल रहा था। इसी कारण वह बाइक तिराहा पर खड़ी कर अपने मित्र के पास वाराणसी जाने के लिए रेलवे स्टेशन पहुंचे थे।

सम्पादकीय

सहयोग का घोषणापत्र

ब्रिक्स के नई दिल्ली घोषणापत्र पर सहमति बनना इसलिए एक उपलब्धि और भारत का कूटनीतिक कद बढ़ाने वाली है, क्योंकि यह माना जा रहा था कि सदस्य देशों और विशेष रूप से ईरान और सऊदी अरब एवं यूएई में मतभेदों के कारण ऐसा होना कठिन है। इसके बाद भी भारत सभी देशों को साथ लाने में सफल रहा। इसके पहले भारत अपनी अध्यक्षता वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में भी सभी देशों के बीच सहमति बनाने में सफल रहा था, जबकि यूक्रेन युद्ध के कारण अमेरिका और यूरोप के देश रूस के विरुद्ध तीखे तेवर अपनाए हुए थे।

यह सही है कि साझा घोषणापत्र में पश्चिम एशिया संकट को लेकर जो कुछ कहा गया, उसमें किसी देश का नाम नहीं लिया गया, लेकिन यह सामान्य बात नहीं कि अमेरिकी हमलों के जवाब में जो ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात पर मिसाइलें दागता रहता है, वह भी साझा बयान जारी करने के लिए सहमत हुआ। इतना ही नहीं, ब्रिक्स सम्मेलन के चलते ईरान और यूएई के प्रतिनिधियों ने आपस में बात भी की।

कुल मिलाकर भारत ने यह दिखाया कि उसमें एक दूसरे के खिलाफ खड़े देशों के बीच भी सहमति बनाने का कूटनीतिक कौशल है। अपने इस कूटनीतिक कौशल के कारण ही भारत क्वाड का सदस्य है तो ब्रिक्स और एससीओ का भी। यह स्थिति भारत को विशिष्ट बनाती है और विश्व का ध्यान उसकी ओर खींचती है।ब्रिक्स सम्मेलन में बनी सहमति इसका परिचायक है कि भारत सदस्य देशों के बीच यह भाव जगाने में सफल रहा कि विफल होते संयुक्त राष्ट्र के कारण यदि इस संगठन को सशक्त बनाना है तो उन्हें मतभेदों को किनारे कर आपसी सहयोग पर जोर देते हुए एकजुट होना होगा।

अच्छा होगा कि इस संगठन के सदस्य और सहयोगी देश यह समझें कि आपसी सहमति केवल कागज तक ही सीमित नहीं रहनी चाहिए। नई दिल्ली घोषणापत्र पर केवल ईरान, सऊदी अरब और यूएई को ही ध्यान नहीं देना होगा, बल्कि चीन को भी ऐसा ही करना होगा, क्योंकि इसमें पहलगाम हमले का उल्लेख करते हुए आतंकवाद पर दोहरा मानदंड अपनाने की प्रवृत्ति को रेखांकित किया गया है। यह किसी से छिपा नहीं कि चीन इस प्रवृत्ति का प्रदर्शन करता रहा है।

घोषणापत्र की इन बातों पर चीन के साथ रूस को भी गौर करना होगा कि हर देश की संप्रभुता का सम्मान किया जाना चाहिए। यदि ब्रिक्स देश अपने घोषणापत्र के प्रति सच्ची प्रतिबद्धता नहीं दिखाते तो फिर अन्य देशों और संगठनों से यह अपेक्षा नहीं कर सकते कि वे अंतरराष्ट्रीय नियमों का पालन करें। वास्तव में ब्रिक्स को यह आत्मसात करने की सख्त जरूरत है कि घोषणापत्र पर सहमति बनाने से कहीं अधिक आवश्यक उसके अनुरूप कार्य करना है। इससे ही ब्रिक्स अपने उद्देश्यों में सफल होगा और पश्चिमी देशों के प्रभुत्व वाली विश्व व्यवस्था का विकल्प बन सकेगा।

जप दिवस

सभी धर्मो और सम्प्रदायों में मंत्र साधना की परंपरा अनादि काल से चली आ रही है । जप जपने की विधि मानो जैसे मूसलाधार वर्षा रूपी कारगर प्रयास से शक्ति संग्रहित कर भव के जाल तोड़ रास्ता साफ हो जाए और सहज लक्ष्य मिल जाए। हर व्यक्ति के मन में यही अभीप्सा, यह आकांक्षा होनी चाहिए कि मुझे कुछ होना हैं । जैसा हूं, उतने में ही संतोष नहीं कर लेना हैं, उसके आगे भी विकास करना हैं । प्रगति करनी है । यह होने की बात बहुत महत्त्वपूर्ण बात हैं । बदलने और कुछ होने के कई मार्ग हैं । कोई भी यह दावा नहीं कर सकता कि एक ही मार्ग हैं । एक ही मार्ग हो तो बड़ी समस्या खड़ी हो जाएगी । अगर मुम्बई में प्रवेश करने और बाहर जाने का एक ही मार्ग हो तो सुबह से शाम तक आदमी ट्रेफ़िक में ही फंसा रह जाएगा । अनेक मार्ग हैं और आदमी चाहे जहां से प्रवेश कर सकता हैं । पालघर से प्रवेश कर सकता है तथा ठाणे वाले रास्ते से भी प्रवेश कर सकता हैं । हमारे होने के भी अनेक मार्ग हैं । उनमें एक मार्ग हैं- जप। इसके द्वारा आदमी कुछ हो सकता हैं । जप में वह शक्ति हैं कि जैसा चाहों, वैसा बन सकते हों । जप बहुत से लोग करते हैं । अलग- अलग परंपराएं , अलग- अलग मंत्र और अलग- अलग जप की विधियां हैं । जप में सर्वप्रथम अपने इष्ट का चुनाव करना पड़ता हैं । इष्ट का निर्धारण करें कि मैं उसके जैसा बनना चाहता हूं । जब तक इष्ट का निर्णय नहीं होता तो कोरा जप बहुत कार्यकारी नहीं होता । जप के द्वारा उत्पन्न ऊर्जा किसी लक्ष्य में नहीं लगी तो वह निकम्मी होकर रह जाएगी । पानी को प्रवाह देने के लिए कोई नाली या रास्ता देना जरूरी होता हैं । उसे निकलने को कोई रास्ता नहीं मिले तो वह एक जगह इकट्ठा होकर समस्या पैदा करेगा । ठीक यही बात मंत्र के लिए भी हैं। उसे एक रास्ता देना पड़ता हैं । "णमो अरहंताणं"के जप में हम अर्हत् को नमस्कार करते हैं । किसलिए?

› प्रदीप छाजेड़

गणेशजी के व्यक्तित्व में छिपे प्रबंधन, नेतृत्व, ज्ञान, अनुशासन और समावेशी विकास के सूत्रों को आत्मसात कर भारत 2047 के संकल्प को नई दिशा दी जा सकती है

भगवान गणेश : मंगल, समृद्धि और विकसित भारत के प्रेरणास्रोत

भगवान श्री गणेश भारतीय संस्कृति के ऐसे बहुआयामी एवं सर्वस्वीकार्य देवता हैं, जिनका स्मरण किसी भी शुभ कार्य के प्रारंभ में किया जाता है। वे केवल विघ्नहर्ता और मंगलकर्ता के रूप में पूजित नहीं हैं, बल्कि उनका संपूर्ण व्यक्तित्व ज्ञान, विवेक, दूरदर्शिता, नेतृत्व, धैर्य, आत्मसंयम, संवाद, समावेशिता और कर्मशीलता का अद्भुत संदेश देता है। आज जब भारत विकसित भारत 2047 के संकल्प के साथ आर्थिक शक्ति, तकनीकी क्षमता, सामाजिक समरसता और वैश्विक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ रहा है, तब गणेशजी के प्रतीकात्मक व्यक्तित्व को केवल पूजा तक सीमित रखने के बजाय उनके जीवन-संदेश को राष्ट्रीय चरित्र और विकास-दृष्टि का आधार बनाना समय की बड़ी आवश्यकता है। गणेश चतुर्थी केवल उत्सव नहीं, बल्कि आत्मचिंतन और राष्ट्रनिर्माण की प्रेरणा का पर्व बन सकती है। गणेशजी का सबसे बड़ा संदेश है—शुभारंभ करो, लेकिन विवेक के साथ। किसी भी कार्य के पहले गणेशजी का स्मरण इस बात का प्रतीक है कि सफलता केवल गति से नहीं, सही दिशा से मिलती है। विकसित भारत का निर्माण भी केवल बड़े आर्थिक आंकड़ों, आधुनिक शहरों, नई तकनीक और विशाल परियोजनाओं से नहीं होगा। इसके लिए ऐसी विकास-दृष्टि चाहिए जिसमें आर्थिक प्रगति के साथ मानवीय संवेदना, नैतिकता, पर्यावरण-संतुलन, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और सामाजिक न्याय का समन्वय हो। गणेशजी का स्मरण हमें बताता है कि विकास का पहला कदम बाहर नहीं, भीतर उठता है—विचारों की शुद्धता और संकल्प की दृढ़ता से। गणेशजी का गजमुख उनकी सबसे विशिष्ट पहचान है। हाथी भारतीय मानस में बुद्धि, स्मृति, धैर्य और शक्ति का प्रतीक रहा है। बड़ा मस्तक हमें बड़ा सोचने की प्रेरणा देता है। आज भारत को भी सीमित सोच से बाहर निकलकर वैश्विक चुनौतियों के अनुरूप दीर्घकालीन और व्यापक दृष्टि विकसित करनी होगी। कृत्रिम बुद्धिमत्ता, अंतरिक्ष विज्ञान, डिजिटल अर्थव्यवस्था, हरित ऊर्जा, जैव-प्रौद्योगिकी और नई औद्योगिक क्रांति के युग में वही राष्ट्र आगे बढ़ेगा जो ज्ञान को अपनी सबसे बड़ी शक्ति बनाएगा। गणेशजी का मस्तक मानो संदेश देता है—ज्ञान जितना व्यापक होगा, विकास उतना ही दूरगामी होगा।

उनके बड़े कान लोकतांत्रिक नेतृत्व की अनूठी सीख देते हैं। अच्छा नेतृत्व वह नहीं जो केवल बोलता है, बल्कि वह है जो सुनता है। जनता की आकांक्षाओं, युवाओं के सपनों, किसानों की समस्याओं, श्रमिकों की चुनौतियों, महिलाओं की अपेक्षाओं और वंचित वर्गों की आवाज को सुनना ही संवेदनशील शासन की पहचान है। भारत 2047 तक विकसित राष्ट्र बने, इसके लिए विकास का मॉडल जनभागीदारी पर आधारित होना चाहिए। गणेशजी के बड़े कान हमें सिखाते हैं कि जनता की आवाज सुनना ही सुशासन की पहली शर्त है। उनकी छोटी आंखें एकाग्रता और सूक्ष्म दृष्टि का प्रतीक मानी जाती हैं। आज सूचना और विकल्पों की अधिकता के दौर में ध्यान भटकना आसान है। राष्ट्र के सामने भी अनेक चुनौतियां हैं। इसलिए लक्ष्य स्पष्ट होना चाहिए और ऊर्जा अनावश्यक विवादों में नहीं, राष्ट्र के निर्माण में लगनी चाहिए। विकसित भारत का लक्ष्य तभी सार्थक होगा जब व्यक्ति से लेकर शासन तक प्राथमिकताओं की स्पष्टता, कार्य में एकाग्रता और परिणाम के प्रति प्रतिबद्धता हो। गणेशजी की सूंड अत्यंत संवेदनशील होने के साथ शक्तिशाली भी है। वह सूक्ष्म वस्तु को भी संभाल सकती है और भारी कार्य भी कर सकती है। यह क्षमता हमें परिस्थितियों के अनुरूप स्वयं को ढालने की प्रेरणा देती है। आज के भारत को भी यही लचीलापन चाहिए। तकनीक बदल रही है, रोजगार के स्वरूप बदल रहे हैं, वैश्विक अर्थव्यवस्था बदल रही है और पर्यावरणीय चुनौतियां बढ़ रही हैं। जो समाज परिवर्तन को समझकर अपनी क्षमता विकसित करेगा, वही भविष्य का नेतृत्व करेगा। गणेशजी का लंबोदर भी गहरा जीवन-संदेश देता है। इसे विशाल हृदय, सहनशीलता और जीवन की विविधताओं को आत्मसात करने की क्षमता का प्रतीक माना जा सकता है। राष्ट्रनिर्माण में मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन मनभेद विनाशकारी हो सकते हैं। भारत की शक्ति उसकी विविधता में है। भाषा, संस्कृति, परंपरा, विचार और जीवन-पद्धति की विविधता को संघर्ष का कारण नहीं, राष्ट्रीय शक्ति का आधार बनाना होगा। गणेशजी का व्यक्तित्व हमें समावेशी भारत की प्रेरणा देता है—ऐसा भारत जिसमें विकास का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे और कोई स्वयं को राष्ट्र की मुख्यधारा से अलग महसूस न करे। गणेशजी का वाहन मूषक भी अत्यंत अर्थपूर्ण प्रतीक है। विशालकाय गजानन का वाहन एक छोटा-सा मूषक है। यह मानो अहंकार पर नियंत्रण और छोटे से छोटे तत्व के महत्व को स्वीकार करने का संदेश देता है। आधुनिक भारत में बड़ी अर्थव्यवस्थाओं और बड़ी परियोजनाओं के साथ छोटे उद्यमी, कारीगर, किसान, स्टार्टअप, स्थानीय व्यवसाय और सामान्य नागरिक भी विकास की धुरी हैं। विकसित भारत का अर्थ केवल बड़े भारत से नहीं, बल्कि हर व्यक्ति को अवसर देने वाले भारत से है। गणेशजी की चार भुजाएं कर्म, ज्ञान, विवेक और संतुलन के समन्वय का संदेश देती हैं। आज भारत को ज्ञान और कौशल से संपन्न युवा चाहिए, उद्यमशील नागरिक चाहिए और ऐसे संस्थान चाहिए जो नवाचार को प्रोत्साहित करें। केवल डिग्री नहीं, उपयोगी ज्ञान; केवल नौकरी नहीं, रोजगार सृजन; केवल उपभोग नहीं, उत्पादन—यही विकसित भारत की आधारभूमि बन सकती है। गणेशजी को विघ्नहर्ता कहा जाता है, लेकिन विघ्नों को समाप्त करने का वास्तविक अर्थ समस्याओं से पलायन नहीं, बल्कि उनका साहस-पूर्वक सामना करना है। गरीबी, अशिक्षा, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार, सामाजिक असमानता, प्रदूषण और अंधविश्वास जैसे राष्ट्रीय विघ्न केवल कानूनों से नहीं, सामूहिक चेतना और नागरिक जिम्मेदारी से दूर होंगे।

ललित गर्ग

ऐतिहासिक, सामाजिक ...

प्रोफ़ेसर शाहिद परवेज़

हिंदी एवं हिंदी दिवस विविधता की एकता

भाषा अभिव्यक्ति की एक सुंदर परिकल्पना है। भाषाएं संपर्क का माध्यम भी हैं और संचार का साधन भी। भारत में भाषाई पहचान जहां एक ओर सम्मान के प्रतीक के रूप में स्थापित है वहीं दूसरी ओर इसके सामाजिक और राजनीतिक प्रभाव भी देखने को मिलते हैं। भाषाई पहचान का प्रश्न केवल मनोवैज्ञानिक, सामाजिक और सांस्कृतिक प्रतिष्ठा से जुड़ा नहीं है बल्कि यह पहचान अपने साथ राजनीतिक, शैक्षणिक और आर्थिक प्रश्नों भी समेट लेती है। किसी भी भाषा का स्वरूप, उच्चारण और प्रखरता उसके व्याकरण और उसकी बनावट पर निर्भर है। हिन्दी और उर्दू दो महत्वपूर्ण भारतीय - आर्यायी भाषाएं हैं एवं दोनों भाषाओं का व्याकरण लगभग एक होने के कारण इनका उत्थान भी लगभग साथ - साथ ही हुआ मगर समय बीतने के साथ हमें दोनों भाषाएं अलग-अलग असलूब या शैली में नज़र आती हैं। प्रोफ़ेसर गोपी चंद नारंग का कथन सत्य प्रतीत होता है कि, ₹ भाषाई स्तर पर जितना गहरा रिश्ता हिन्दी और उर्दू में है शायद दुनिया की किन्हीं दो भाषा में नहीं है।₹ भाषाई सतह पर हिन्दी और उर्दू के बीच भाषाई रिश्ता एक ऐतिहासिक तथ्य है क्योंकि दोनों भाषाओं का स्रोत (खरी/खड़ी बोली) एक है अर्थात दोनों भाषाओं के उत्थान की बुनियाद, ' खड़ी बोली ' को एक केन्द्रीय महत्व की भूमिका में स्थापित किया जा सकता है जिसमें

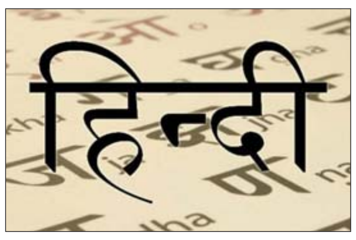

दोनों भाषाओं का परस्पर विरोध भी सम्मिलित है। ऐतिहासिक तौर पर दोनों भाषाओं का उत्थान और प्रभाव एक समान देखने को मिलता है जो भौगोलिक ईकाई की एकरूपता के साथ सांस्कृतिक भिन्नता को भी अपने अंदर समेटता है। ऐसा प्रतीत होता है कि दोनों भाषाओं के उदय में इनकी प्रखरता और बनावट का एक प्राकृतिक सम्मोहन मौजूद था। हिन्दी और उर्दू की व्याकरण के अतिरिक्त बुनियादी शब्दावली भी एक जैसी है तथा दैनिक उपयोग में आने वाले शब्द और मुहावरे भी लगभग एक जैसे हैं। भाषाई विविधता की यह एकता कुछ अपवादों को छोड़कर अंग्रेजों के भारत में अपने राजनीतिक प्रभुत्व को स्थापित करने तक अनवरत चलती रही। आलोक राय ने अपनी पुस्तक, ' हिन्दी नेशनलिज़्म ' में हमें बताया है कि, औपनि-वेशिक नीतियों के कारण भाषाएं सामाजिक संबंधों को नया आयाम देने के अपने उद्देश्य में सफ़ल नहीं हो पाईं बल्कि भाषा संबंधी विवाद अलग-अलग रुपों में और उजागर होने लगे।

ऐतिहासिक, सामाजिक , साहित्यिक और सांस्कृतिक दृष्टि से यह प्रश्न विचारणीय है कि अपनी तमामतर समानताओं के बावजूद दोनों भाषाएं अपना अलग-अलग अस्तित्व स्थापित करने में क्यों सफ़ल हुईं। इसका एक सामान्य और सम्भावित कारण इनकी लिपि है जिसने दोनों भाषाओं को अलग-अलग दृष्टिकोण प्रदान किया है। इस अन्तर को बहुत हद तक स्पष्ट करने का श्रेय फ़ोर्ट विलियम कालेज को है जब गिलक्राइस्ट के नेतृत्व में हिंदी और उर्दू शीर्षक से अलग-अलग पुस्तकें प्रकाशित की गईं। उर्दू मेंर बाग़ ओ बहार ₹ लिखी गई जिसकी लिपि फ़ारसी थी और जिसमें अरबी और फ़ारसी शब्दों की बहुतायत थी और दूसरी तरफ़ ₹ प्रेमसागर ₹ थी जिसकी लिपि देवनागरी थी और जिसमें संस्कृत शब्दों की बहुलता थी। विभिन्न भाषाविदों और साहित्यकारों का यह कथन सही प्रतीत होता है कि हिन्दी और उर्दू का भाषाई अन्तर इसी समय से प्रारंभ होता है जबकि इससे पहले दोनों भाषाएं एक ही धारा में प्रवाहित हो रही थीं। फ़ोर्ट विलियम कालेज में जिस हिन्दी गद्य की बुनियाद पड़ी उसे ही कालांतर में खड़ी बोली या स्तरीय हिन्दी कहा जाने लगा जबकि इससे पहले समग्र उपलब्ध साहित्य अपनी बोली के अधीन था। उदाहरणस्वरूप , अवधि और ब्रज जो साहित्यिक दृष्टिकोण से समृद्ध और प्रमुख थीं और जिनका अपना अस्तित्व किसी भी भाषा के अधीन नहीं था। धीरे-धीरे खड़ी बोली हिन्दी का विकास तत्कालीन परिस्थितियों और सामाजिक गतिशीलता के कारण होता रहा जिससे इसकी समृद्धि को और बल मिला। 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की असफलता का प्रभाव भाषा और उसकी बनावट पर भी पड़ा। अंग्रेजों द्वारा निरंतर इस बात का प्रयास किया जाता रहा कि हिंदू और मुसलमानों को किस तरह भाषाई आधार पर भी विभाजित किया जाए और इसके लिए अंग्रेजी भाषा एवं शिक्षा को सम्मान के पर्याय एवं अस्तित्व की पहचान के रूप में पढ़ा और पढ़ाया जाने लगा। हिन्दी और उर्दू जैसे भाषाई विवाद को अंग्रेजों की वीभत्सकारी नीति की परिणति के तौर पर याद किया जा सकता है। स्वतन्त्रता के पश्चात भारत ने भाषा और भाषाई अस्मिता के संकट की पहचान करते हुए भाषाई विविधता को सिद्धांत के रुप में स्वीकार किया। भारत के नीति निर्माताओं ने भाषाई विविधता को निश्चित करने के लिए एक ऐसा प्रारूप प्रस्तुत किया जिसमें भाषा की विविधता के अस्तित्व को कोई दीर्घकालीन संकट न रहे और शायद यही कारण था कि राष्ट्रीय अस्मिता के लिए राष्ट्रीय भाषा के विचार को नकार दिया गया।

प्रदेश सरकार...

डा0 सीमा गुप्ता,

'सूफी कबीर पर्यटन सर्किट' से जुड़ा जनपद अमेठी का मलिक मोहम्मद जायसी स्मारक: विरासत का सम्मान

उत्तर प्रदेश के जनपद अमेठी की ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक स्तर पर सुदृढ़ करने के उद्देश्य से प्रदेश सरकार द्वारा एक युगांतकारी पहल की गई है। मध्यकालीन भारत के महान सूफी संत एवं कालजयी महाकाव्य 'पद्मावत' के अमर रचयिता मलिक मोहम्मद जायसी की पावन कर्मभूमि जायस में स्थित जायसी स्मारक एवं शोध संस्थान को 10.36 करोड़ रुपये की लागत से एक आधुनिक पर्यटन एवं साहित्यिक केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है। प्रदेश सरकार की महत्वाकांक्षी 'सूफी-कबीर पर्यटन सर्किट' योजना के अंतर्गत संचालित यह परियोजना न केवल एक विरासत को सम्मान दे रही है, बल्कि जनपद अमेठी को साहित्य, संस्कृति और पर्यटन के प्रमुख गंतव्य के रूप में स्थापित कर रही है।

प्रदेश सरकार द्वारा स्वीकृत 10.36 करोड़ रुपये की इस व्यापक पर्यटन विकास परियोजना के लिए अब तक 9.15 करोड़ रुपये की धनराशि अवमुक्त की जा चुकी है। कार्यदायी संस्थाओं और जिला प्रशासन के सतत समन्वय से परियोजना का लगभग 80 प्रतिशत भौतिक निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है। शेष निर्माण कार्यों को भी तय गुणवत्ता और मानकों के अनुरूप पूरा करते हुए परियोजना को समय-सीमा के भीतर पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है। निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और गति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा नियमित स्थलीय निरीक्षण और समीक्षा की जा रही है।

साहित्यिक और ऐतिहासिक दृष्टि से अत्यंत समृद्ध होने के बावजूद यह शोध संस्थान विगत कई दशकों तक उपेक्षा का दंश झेलता रहा। देखरेख के अभाव में एक समय यह गौरवशाली संस्थान अत्यंत जर्जर स्थिति में पहुंच गया था और इसका परिसर अस्तबल व मवेशियों के विचरण स्थल में तब्दील हो चुका था। स्मारक की चारदीवारी और मुख्य प्रवेश द्वार भी क्षतिग्रस्त थे। प्रदेश सरकार ने इस ऐतिहासिक धरोहर की स्थिति का संज्ञान लेकर इसके कायाकल्प की विस्तृत कार्ययोजना तैयार की। आज यहीं स्थल एक सुव्यवस्थित, गरिमामयी और भव्य पर्यटन स्थल के रूप में नया स्वरूप ले रहा है।

स्मारक परिसर का भौतिक ढांचा भारतीय वास्तुकला की गरिमा के अनुरूप अत्यंत सुदृढ़ बनाया गया है। संपूर्ण स्मारक संरचना का निर्माण उच्च गुणवत्ता वाले लाल बलुआ पत्थर से किया जा रहा है, जो इसे एक शाश्वत और मनोहारी ऐतिहासिक स्वरूप प्रदान करता है। स्मारक की भव्य दीवारों पर मलिक मोहम्मद जायसी के जीवन-वृत्त, उनकी आध्यात्मिक साधना, साहित्यिक यात्रा और कालजयी कृतियों को दर्शाने वाले कलात्मक भित्तिचित्र (म्यूरल आर्ट) उकेरे गए हैं। इन भित्तिचित्रों के माध्यम से पर्यटकों को केवल स्थापत्य देखने का ही नहीं, बल्कि महाकवि के जीवन और उनके साहित्यिक अवदान को सजीव रूप से समझने का अवसर प्राप्त होगा।

जरा हटके

उत्तर प्रदेश सरकार ...

प्रवीण मालवीय

उ0प्र0 व जापान इन्वेस्टमेंट मीट से प्रदेश में ग्रीन हाइड्रोजन से हरित विकास को मिली नई राह

उत्तर प्रदेश अब केवल देश का सबसे बड़ा आबादी वाला राज्य नहीं, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा और हरित औद्योगिक विकास के क्षेत्र में भी नई पहचान बनाने की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहा है। मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ने विकास की प्राथमिकताओं में ऊर्जा सुरक्षा, पर्यावरण संरक्षण और भविष्य की तकनीकों को विशेष स्थान दिया है। उत्तर प्रदेश अब ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में देश का प्रमुख केंद्र बनने की दिशा में ठोस कदम उठा रहा है।

21 अगस्त 2026 को लखनऊ में आयोजित यूपी-जापान इनवेस्टमेंट मीट-2026 ने उत्तर प्रदेश की इस महत्वाकांक्षी यात्रा को नई गति दी है। ताज होटल, गोमती नगर में आयोजित उच्चस्तरीय बैठक में नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री श्री ए.के. शर्मा की उपस्थिति में उत्तर प्रदेश और जापान के यामानाशी प्रांत के बीच ग्रीन हाइड्रोजन तकनीक, अनुसंधान, उत्पादन और निवेश के क्षेत्र में सहयोग को लेकर महत्वपूर्ण समझौता हुआ। जापान के यामानाशी प्रांत के गवर्नर श्री कोटारो नागासाकी के नेतृत्व में आए प्रतिनिधिमंडल के साथ हुई चर्चा ने दोनों पक्षों के बीच स्वच्छ ऊर्जा सहयोग की संभावनाओं को मजबूत आधार प्रदान किया।

यह पहल मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी के उस विजन को आगे बढ़ाती है, जिसमें उत्तर प्रदेश को पारंपरिक ऊर्जा के साथ-साथ भविष्य के स्वच्छ ऊर्जा तकनीकों का बड़ा केंद्र बनाने का लक्ष्य रखा गया है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 'नेट जीरो' और हरित विकास के संकल्प के अनुरूप उत्तर प्रदेश सरकार ने ग्रीन हाइड्रोजन को भविष्य की ऊर्जा अर्थव्यवस्था का महत्वपूर्ण आधार मानते हुए इसके उत्पादन और उपयोग के लिए व्यापक रणनीति तैयार की है।

उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रदेश में वन मिलियन मीट्रिक टन प्रति वर्ष (1 डड ज्च्।) ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है। यह लक्ष्य केवल ऊर्जा उत्पादन बढ़ाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इसके साथ नए उद्योग, रोजगार, निवेश, तकनीकी अनुसंधान और हरित अर्थव्यवस्था के अवसरों का बड़ा नेटवर्क तैयार करने की परिकल्पना जुड़ी है। ग्रीन हाइड्रोजन का उत्पादन नवीकरणीय ऊर्जा से प्राप्त बिजली के माध्यम से जल के इलेक्ट्रोलिसिस द्वारा किया जाता है। इसके उपयोग से उद्योगों, भारी परिवहन, उर्वरक निर्माण और उन क्षेत्रों में कार्बन उत्सर्जन कम किया जा सकता है, जहां पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों का विकल्प तलाशना कठिन है। इस प्रकार ग्रीन हाइड्रोजन उत्तर प्रदेश की ऊर्जा सुरक्षा के साथ पर्यावरणीय लक्ष्यों को भी मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। जापान के यामानाशी प्रांत ने ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में महत्वपूर्ण तकनीकी अनुभव विकसित किया है। यूपी-जापान इनवेस्टमेंट मीट में यामानाशी प्रतिनिधिमंडल ने अपनी च्वूमत.जव.ळंे ;च्2ळद्ध तकनीक का प्रस्तुतीकरण किया। यह तकनीक नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग कर ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन की संभावनाओं को मजबूत करती है। ल्ंउंदंेीप भ्लकतवहमद ब्वउचंदल ;ल्भ्ब्द्ध और ज्ञंदकमअपं ब्वतचवतंजपवद के सहयोग से उत्तर प्रदेश में उच्च क्षमता वाली पायलट परियोजना स्थापित करने का प्रस्ताव इस साझेदारी की सबसे महत्वपूर्ण उपलब्धियों में से एक है। प्रस्तावित परियोजना की फिजिबिलिटी स्टडी फरवरी 2027 तक पूरी करने तथा मार्च 2027 तक इसके व्यावसायीकरण की दिशा में आगे बढ़ने का लक्ष्य है। इससे उत्तर प्रदेश में ग्रीन हाइड्रोजन तकनीक के स्थानीय प्रयोग और बड़े पैमाने पर विस्तार का रास्ता खुल जायेगा।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने निवेश के लिए सुरक्षित वातावरण, बेहतर कानून-व्यवस्था, मजबूत आधारभूत ढांचे और पारदर्शी नीतियों का ऐसा वातावरण तैयार किया है, जिसने प्रदेश को वैश्विक निवेशकों के लिए आकर्षक गंतव्य बनाया है। ग्रीन हाइड्रोजन क्षेत्र में भी यही निवेश-अनुकूल वातावरण दिखाई दे रहा है।उत्तर प्रदेश ग्रीन हाइड्रोजन पॉलिसी-2024 के तहत निवेशकों को परियोजना लागत पर 10 से 30 प्रतिशत तक कैपिटल सब्सिडी, स्टाम्प ड्यूटी में 100 प्रतिशत तक छूट और निजी विकासकर्ताओं के माध्यम से भूमि लीज पर उपलब्ध कराने जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं। इन प्रोत्साहनों का उद्देश्य प्रदेश में बड़े निवेश को आकर्षित करने के साथ-साथ ग्रीन हाइड्रोजन की पूरी वैल्यू चेन विकसित करना है।

उत्तर प्रदेश की रणनीति केवल उत्पादन तक सीमित नहीं है। प्रदेश में ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में अनुसंधान और तकनीकी नवाचार को भी मजबूत किया जा रहा है। आईआईटी कानपुर और आईआईटी (बीएचयू) वाराणसी में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस स्थापित किए गए हैं। इनके माध्यम से नई तकनीकों के विकास, परीक्षण, अनुसंधान तथा प्रयोगशाला स्तर की तकनीक को औद्योगिक स्तर पर विकसित करने में मदद मिलेगी।इससे उत्तर प्रदेश में उद्योग और अकादमिक संस्थानों के बीच मजबूत साझेदारी विकसित होगी और भविष्य की हाइड्रोजन तकनीकों के लिए प्रदेश में ही प्रतिभा, अनुसंधान और विशेषज्ञता का आधार तैयार होगा।

उत्तर प्रदेश की भौगोलिक स्थिति और मजबूत कनेक्टिविटी भी इसे ग्रीन हाइड्रोजन के क्षेत्र में विशेष लाभ देती है। एक्सप्रेसवे, रेलवे, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर, अंतर्देशीय जलमार्ग, हवाई अड्डों और मेट्रो नेटवर्क का विस्तृत ढांचा ग्रीन हाइड्रोजन के उत्पादन, भंडारण, परिवहन और उपयोग के लिए मजबूत आधार प्रदान करते है। विशाल औद्योगिक आधार और भारी परिवहन क्षेत्र के कारण प्रदेश में हाइड्रोजन आधारित बसों, ट्रकों और अन्य वाणिज्यिक वाहनों के लिए भी भविष्य में बड़े अवसर पैदा हो सकते हैं। इससे परिवहन क्षेत्र के कार्बन उत्सर्जन को कम करने में मदद मिलेगी और स्वच्छ मोबिलिटी को नई गति मिलेगी।

यूपी-जापान इनवेस्टमेंट मीट-2026 में हुआ सहयोग मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में बदलते उत्तर प्रदेश की तस्वीर प्रस्तुत हुआ है। एक ओर प्रदेश अपनी पारंपरिक औद्योगिक एवं ऊर्जा क्षमता को मजबूत कर रहा है, वहीं दूसरी ओर जापान जैसे तकनीकी रूप से अग्रणी देश के साथ साझेदारी कर भविष्य की ऊर्जा तकनीकों को अपनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। उत्तर प्रदेश अब केवल निवेश आकर्षित करने वाला राज्य नहीं, बल्कि हरित तकनीक, नवाचार और स्वच्छ ऊर्जा के वैश्विक इकोसिस्टम का महत्वपूर्ण भागीदार बनने की ओर अग्रसर है।

कहा- बिल्कुल ठीक हूं; आकाश अभी भी ससुर के दिमाग से चल रहे, मायावती बोलीं-पार्टी से निकाले गए लोग भ्रम फैला रहे

मायावती ने बीमार होने की अफवाहों को खारिज किया

बयान

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपनी बीमारी की खबरों को खारिज कर दिया है। उन्होंने लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा- मैं पूरी तरह स्वस्थ हूं। अपना काम कर रही हूं। मायावती बोलीं-पार्टी से निकाले गए लोग यह भ्रम फैला रहे हैं कि मैं बीमार हूं इसलिए बड़े मामलों पर भी सीधे X पर ट्वीट करके जानकारी दे रही हूं। इसी वजह से आज मैं आपके सामने आई हूं। उन्होंने कहा- इसका सबूत है कि पार्टी के इंचार्ज आलोक कुमार के पास शनिवार रात 10:04 बजे भतीजे आकाश आनंद का फोन आया। पूछा- बहनजी बीमार हैं क्या? उनका स्वास्थ्य कैसा है? मायावती ने कहा- आकाश की यह मानसिकता सही भी हो सकती है और गलत भी। अभी भी वह अपने दिमाग से काम नहीं कर रहे हैं, बल्कि अपने ससुर अशोक सिद्धार्थ के दिमाग से काम कर रहे हैं। आकाश अभी राजनीतिक रूप से परिपक्व नहीं हो पाए हैं, इसीलिए उन्हें पार्टी की जिम्मेदारियों से मुक्त किया गया। मायावती ने देश को तीन सेक्टरों में बांटा है। पहले सेक्टर में यूपी और उत्तराखंड हैं। इसे मायावती खुद लीड करेंगी। वहीं, 19 राज्यों को उन्होंने दो सेक्टर में बांटा है। सेक्टर-एक में 10 राज्य और सेक्टर-2 में 9 राज्य हैं। दोनों ही सेक्टरों के दो-दो प्रभारी बनाए हैं। मायावती ने कहा- दिल्ली में हुए 18वें BRICS सम्मेलन में 140 पैराग्राफ का घोषणा पत्र सभी देशों की सहमति से जारी हुआ। यह बड़ी कूटनीतिक उपलब्धि है। कई देश इस समय युद्ध, तनाव और आर्थिक संकट से गुजर रहे हैं।

रविवार को मायावती ने लखनऊ में प्रेस कॉन्फ्रेंस की।

मायावती 3 सितंबर को लखनऊ में सार्वजनिक तौर पर नजर आई थीं। उन्होंने बसपा नेताओं के साथ बैठक की थी। इसके बाद से वह एक्स पर ट्वीट करके फैसलों की जानकारी दे रही हैं।

तस्वीर 23 जून, 2024 की है, जब लखनऊ में बसपा की एक बैठक में आकाश आनंद ने मायावती के पैर छुए थे।

बीएसपी में बड़ा फेरबदल, 3 सेक्टरों में बांटा देश

मायावती ने पार्टी के जनाधार को बढ़ाने के लिए पार्टी में बड़े बदलाव का भी ऐलान किया। इसके तहत, बसपा में मुख्य सेक्टर प्रभारी का पद खत्म कर दिया गया। पहले इस पद पर मायावती ने आकाश के छोटे भाई ईशान को जिम्मेदारी सौंपी थी। हालांकि, बाद में ईशान को भी पार्टी में पद नहीं देने की घोषणा कर दी थी।

मायावती ने भतीजे को पार्टी सौंपने के संकेत दिए थे

मायावती ने 4 दिन पहले आकाश को पार्टी में पद वापस देने के लिए उनके ससुर और पूर्व सांसद अशोक सिद्धार्थ के राजनीति से संन्यास लेने की शर्त रखी थी। 17 घंटे बाद अशोक सिद्धार्थ ने संन्यास का ऐलान कर दिया।

इसके बाद भी मायावती ने आकाश को पार्टी में पद नहीं दिया। ट्वीट करके आकाश को पार्टी से बाहर कर दिया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आकाश को पार्टी और मिशन से ज्यादा अपने ससुर प्रिय हैं।

शनिवार को मायावती ने X पर फिर लंबी-चौड़ी भावुक पोस्ट की।

जमानत पर छूटने वालों ने फिर हत्या की धमकी दी

सुपारी मिलने के बाद मर्डर से पहले पकड़े गए थे

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के पराग नरायन रोड की रिवेश कॉलोनी में उन आरोपियों ने फिर से हत्या की धमकी दी है, जिन्हें कुछ दिन पहले 24 घंटे के अंदर जमानत पर छोड़ दिया गया था। पिछली बार हत्या की सुपारी लेने के आरोप में पुलिस ने पकड़ा था। अब पीड़ित ने फिर बताया है कि आरोपियों के बाहर आने के बाद उसे जान से मारने की धमकी मिल रही हैं।

कॉलोनी के सैय्यद इरफान अहमद रिजवी ने बिलाल हाशमी और उसके भाई हिलाल हाशमी पर जान से मारने की धमकी देने और मदरसे पर कब्जे की कोशिश का आरोप लगाया है। यही दोनों आरोपी हैं, जिन्होंने कुछ समय पहले उसकी हत्या की सुपारी ली थी। उस मामले का हजरतगंज पुलिस ने खुलासा किया था। बिलाल हाशमी और उसके साथी जेल गए थे।

पीड़ित ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 12 सितंबर को वह मदरसे में बिजली का काम करा रहा था। इसी दौरान बिलाल हाशमी और हिलाल हाशमी वहां पहुंचे। उसके साथ अभद्रता और गाली-गलौज करने लगे। दोनों ने जान से मारने की धमकी देते हुए मदरसे में लगे सीसीटीवी कैमरे तोड़ दिए। कैमरों के तार भी नोचकर फेंक दिए गए। इरफान के मुताबिक, टूटे कैमरों में दो सिम कार्ड लगे थे। इनमें एक नंबर अब्दुल वली और दूसरा रियाज के नाम पर बताया गया है।

फास्ट न्यूज़

नकली सोने की ईंटें देकर सर्राफ से 20 लाख ऐंठे

लखनऊ। लखनऊ के एक सर्राफा कारोबारी को हरियाणा के रोहतक निवासी एक जालसाज ने ठग लिया। वह नकली सोने की ईंट देकर 20 लाख रुपए नकद और 33.50 लाख की ज्वेलरी लेकर भाग गया। उसने सर्राफ और उसकी पत्नी से डेढ़ साल में नजदीकियां बढ़ाकर पहले भरोसा जीता। वह कारोबारी को बहनाई, उसकी पत्नी को बहन और बच्चों को भांजा कहकर घर आने-जाने लगा था।

गैस मीटर अपडेट के नाम पर 99 हजार की ठगी

सरोजनी नगर, लखनऊ। लखनऊ के बिजनौर में साइबर जालसाजों ने एक महिला के बैंक खाते से 99 हजार रुपये निकाल लिए। जालसाजों ने गैस मीटर अपडेट कराने का झांसा दिया था। बिजनौर के औरंगाबाद जागीर में रॉयल सिटी स्थित कृष्णा पब्लिक स्कूल के पास रहने वाली रेखा भदौरिया के साथ यह ठगी हुई। 22 अगस्त की शाम उनके व्हाट्सएप नंबर पर गैस मीटर अपडेट करने का मैसेज आया था। इसके बाद एक अज्ञात नंबर से फोन आया। फोन करने वाले ने बताया कि मीटर अपडेट नहीं होने पर गैस कनेक्शन काट दिया जाएगा।

लखनऊ में वकीलों के अवैध चैंबर पर फिर होगा एक्शन

लखनऊ। लखनऊ में कैसरबाग स्थित जिला कोर्ट के आसपास अभी फिर से अतिक्रमण पर बड़ी कार्रवाई होगी। इसमें करीब 150 अतिक्रमण ध्वस्त करने की तैयारी है। इसमें वकीलों के चैंबर सबसे अधिक संख्या में हैं। हाईकोर्ट के आदेश पर 35 दिनों के अंदर पहले उन चैंबरों व अतिक्रमण पर एक्शन होगा, जिसपर नगर निगम ने पहले ही लाल रंग से क्रास के निशान लगा दिए थे।

लखनऊ में पान मसाला बनाने वाले 2 गिरफ्तार

किराये के मकान में खोला था कारखाना

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ के मड़ियांव में पुलिस ने नकली पान मसाला बनाने के कारोबार का खुलासा किया है। सिकरवार चौराहे के पास किराये के मकान में राजश्री, कमला पसंद, विमल, किशोर समेत कई ब्रांड के नाम पर नकली पान मसाला तैयार किया जा रहा था। पुलिस ने मौके से 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। 39.5 किलो तैयार मिश्रित पान मसाला, 5.5 किलो खुली तंबाकू, अलग-अलग ब्रांड के रैपर-पाउच, पैकिंग मशीन और अन्य सामग्री बरामद हुई है।

इंस्पेक्टर मड़ियांव शिवानंद मिश्रा ने बताया एसआई अखिलेश कुमार कांस्टेबल रविन कुमार के साथ सीतापुर रोड पर गश्त कर रहे थे। इसी दौरान KVN FMCG प्राइवेट लिमिटेड (राजश्री और कमला पसंद पान मसाला) के प्रतिनिधि अंकित कुमार उनसे मिले। उन्होंने बताया कि सिकरवार चौराहे के पास एक मकान में दो लोग नकली पान मसाला तैयार कर रहे हैं। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची और कारखाना पकड़ा गया।

पुलिस ने गेट खुलवाया तो अंदर मौजूद दोनों युवक पुलिस को देखकर भागने लगे। टीम ने घेराबंदी कर दोनों को पकड़ लिया। दोनों देहली महाराजगंज, शिवगढ़, रायबरेली के रहने वाले पवन साहू (30) और पिन्टू गुप्ता (45) हैं।

डॉक्टरों की नई पौध तैयार कर रहा यूपी

प्रदेश के युवाओं के लिए डॉक्टर बनने के अवसरों का हुआ बड़ा विस्तार

- योगी सरकार में मेडिकल शिक्षा ने पकड़ी रफ्तार
- योगी सरकार के कार्यकाल में 36 से 85 हुए मेडिकल कॉलेज,एमबीबीएस की सीटें 4,690 से बढ़कर 13,600 तक पहुंचीं
- सरकारी मेडिकल कॉलेजों का नेटवर्क तीन गुना तक पहुंचा

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। डॉक्टर बनने का सपना देख रहे उत्तर प्रदेश के युवाओं के लिए योगी सरकार ने मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में अवसरों का पिटारा खोल दिया है। प्रदेश में नीट यूजी-2026 की दूसरी काउंसलिंग 14 सितंबर से शुरू होने जा रही है। इसी बीच मेडिकल शिक्षा के विस्तार के आंकड़े बताते हैं कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने डॉक्टरों की नई पीढ़ी तैयार करने की दिशा में लंबी छलांग लगाई है।

वर्ष 2017 में प्रदेश में 36 मेडिकल कॉलेज थे और एमबीबीएस की 4,690 सीटें थीं। वहीं 20 अगस्त 2026 तक मेडिकल कॉलेजों की संख्या 85 और एमबीबीएस सीटें 13,600 पहुंच गई हैं। यानी आठ वर्षों में 49 नए मेडिकल कॉलेज और 8,910 अतिरिक्त एमबीबीएस सीटों का विस्तार हुआ है। यह बदलाव सिर्फ मेडिकल कॉलेजों की बढ़ती संख्या का आंकड़ा नहीं है, बल्कि प्रदेश में हर साल चिकित्सा शिक्षा हासिल करने के लिए उपलब्ध अवसरों के बड़े विस्तार की कहानी है। वर्ष 2012 में जहां प्रदेश में कुल 2,740 एमबीबीएस सीटें थीं, वहीं अब यह संख्या 13,600 हो गई है। यानी करीब पांच गुना बढ़ी सीटों की क्षमता आने वाले वर्षों में डॉक्टरों की नई पीढ़ी तैयार करने का आधार बन रही है।

सरकारी मेडिकल कॉलेजों ने बदली तस्वीर

मेडिकल शिक्षा के विस्तार में राजकीय क्षेत्र की भूमिका सबसे अहम रही है। वर्ष 2017 में प्रदेश में 15 राजकीय मेडिकल कॉलेज संचालित थे। 20 अगस्त 2026 तक इनकी संख्या बढ़कर 45 हो गई है। सरकारी मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस सीटों की संख्या भी वर्ष 2017 की 1,990 से बढ़कर 5,350 हो गई है। यानी इन वर्षों में राजकीय क्षेत्र में 3,360 सीटों का इजाफा हुआ है। इससे सरकारी मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में युवाओं के लिए अवसरों का दायरा पहले के मुकाबले कहीं अधिक विस्तृत हुआ है। मेडिकल शिक्षा के इस विस्तार से प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों में चिकित्सा शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराने का आधार मजबूत हुआ है।

डॉक्टरों की नई पीढ़ी के लिए तैयार हो रहा आधार

उत्तर प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों और एमबीबीएस सीटों का यह विस्तार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चिकित्सा शिक्षा को दी जा रही प्राथमिकता को रेखांकित करता है। 2017 के मुकाबले मेडिकल कॉलेजों की संख्या में 49 और एमबीबीएस सीटों में 8,910 की बढ़ोतरी हुई है। मेडिकल शिक्षा की बढ़ती क्षमता से प्रदेश में डॉक्टर बनने के इच्छुक युवाओं के लिए अवसरों का विस्तार हुआ है। आने वाले वर्षों में यही बढ़ी हुई क्षमता उत्तर प्रदेश को डॉक्टरों की नई पीढ़ी तैयार करने वाले प्रमुख राज्यों में और मजबूत भूमिका निभाने का आधार देगी।

सपा प्रमुख बोले- पुलिस को मिली खुली छूट, विपक्ष को बदनाम करने के लिए सत्ता का दुरुपयोग

भाजपा सरकार में कानून और संविधान से नहीं मनमर्जी से चल रहा काम : अखिलेश

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार को भाजपा सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश में कानून और संविधान के अनुसार शासन नहीं चल रहा है, बल्कि सरकार अपनी मनमर्जी से फैसले ले रही है। पुलिस को खुली छूट दिए जाने का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार सत्ता का दुरुपयोग कर रही है और विपक्ष को कमजोर करने के लिए कानूनों और सरकारी तंत्र का इस्तेमाल किया जा रहा है। मीडिया से बातचीत में अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार कानूनों का दुरुपयोग करने के साथ ही लोगों पर झूठे मुकदमे लगाकर उन्हें प्रताड़ित कर रही है। उन्होंने कहा कि गुण्डा एक्ट लगाए जाने को लेकर हाईकोर्ट की टिप्पणी बेहद गंभीर है। सरकार के कामकाज पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा कि जब तक भाजपा सत्ता में रहेगी, तब तक कानून के अनुसार काम होने की उम्मीद नहीं की जा सकती। उनके मुताबिक सरकार संविधान और लोकतंत्र की भावना के विपरीत काम कर रही है।

अखिलेश यादव ने आरोप लगाया कि विपक्ष के नेताओं को बदनाम करने के लिए सत्ता का इस्तेमाल किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि विपक्ष को बदनाम करने के लिए भयंकर वीडियो बनवाए जा रहे हैं और उनके प्रचारित किया जा रहा है। उन्होंने हाईकोर्ट से ऐसे मामलों का स्वतः संज्ञान लेने की मांग की। अखिलेश ने कहा कि वीडियो बनवाने वाले अधिकारी पर एक महिला द्वारा लगाए गए आरोपों पर महिला आयोग को भी संज्ञान लेना चाहिए, लेकिन ऐसा नहीं किया जा रहा है।

अखिलेश यादव ने कहा कि सत्ता में आने पर आउटसोर्स व्यवस्था को समाप्त कर कर्मचारियों को पक्की नौकरी देने की दिशा में काम किया जाएगा। साथ ही नौकरियों में वेतन की विसंगतियां दूर की जाएंगी, ताकि कर्मचारियों को उनके काम के अनुरूप उचित वेतन मिल सके।

पंचायत सहायकों से लेकर आउटसोर्स कर्मचारियों तक को धोखा देने का लगाया आरोप

पंचायत सहायकों और कर्मचारियों को धोखा देने का आरोप

सपा अध्यक्ष ने पंचायत सहायकों समेत विभिन्न संगठनों और कर्मचारियों के आंदोलनों का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा सरकार ने धरना-प्रदर्शन करने वाले लोगों को धोखा दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने इन लोगों से काम लिया, लेकिन बाद में उन्हें अपमानित किया और उनका समय बर्बाद किया। उन्होंने कहा कि पंचायत सहायक से लेकर विभिन्न संगठनों तक बड़ी संख्या में लोग अपनी मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। अखिलेश ने आह्वान किया कि सभी लोग मिलकर भाजपा को सत्ता से हटाने का काम करें। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनने पर ग्राम स्तर की नौकरियों से जुड़ी विसंगतियों को दूर किया जाएगा।

'आउटसोर्सिंग खत्म कर संविदाकर्मियों को करें नियमित'

लखनऊ में कौशल किशोर बोले- जनता किंगमेकर

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। लखनऊ में पारस महा संघ की आत्मसम्मान रैली हुई। राष्ट्रीय प्रेरणा स्थल से शुरू हुई इस रैली में करीब 25 हजार लोग जुटे। पारस महा संघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष और पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री कौशल किशोर ने कहा कि देश को विकसित, आत्मनिर्भर, नशामुक्त और अपराधमुक्त बनाने के लिए समान शिक्षा और रोजगारपरक शिक्षा लागू करना जरूरी है। उन्होंने आउटसोर्सिंग व्यवस्था खत्म कर सीधी भर्ती और संविदा कर्मचारियों को नियमित करने की मांग उठाई।

कौशल किशोर ने कहा कि आशा बहू, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, रसोइया, रोजगार सेवक, शिक्षामित्र, शिक्षा अनुदेशक, पीआरडी जवान, होमगार्ड समेत विभिन्न विभागों में काम कर रहे संविदा कर्मचारियों का शोषण बंद होना चाहिए। उन्होंने कहा कि जनता किंगमेकर है और सरकारी दफ्तरों, थानों और तहसीलों में उसकी बात सम्मानपूर्वक सुनी जानी चाहिए।

रैली में समान शिक्षा, रोजगारपरक शिक्षा, नशामुक्त समाज और अपराधमुक्त माहौल जैसे मुद्दे उठाए जा रहे हैं। बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और समर्थक मौजूद हैं। मंच पर मलिहाबाद विधायक जयदेवी कौशल समेत समाज के विभिन्न वर्गों के लोग मौजूद हैं।

कौशल किशोर बोले- राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर पंडित दीनदयाल उपाध्याय, डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी और अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमाएं लगी हैं।

आरोप : लखनऊ की महिला बोली- आईपीएल में सेलेक्शन के बाद शादी का वादा किया था

क्रिकेटर मो. शमी के भाई पर रेप का आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। 'मोहम्मद कैफ ने मुझसे शादी का वादा करके कई बार शारीरिक संबंध बनाए। शादी का भरोसा मिलने पर मैंने अपनी नौकरी तक छोड़ दी। मैं जब भी शादी की बात करती तो मुझे बुलाता और फिर से शारीरिक संबंध बनाता। अब मैं न्याय के लिए लड़ रही हूं। वह अपनी पहुंच और ओहदे से मेरी आवाज को दबा नहीं सकता।'

ये आरोप लखनऊ की एक महिला ने क्रिकेटर मोहम्मद शमी के भाई मोहम्मद कैफ पर लगाए हैं। महिला ने बताया- मैंने रिलेशन में आने से पहले स्पष्ट किया था कि तलाकशुदा हूं और एक बेटा भी है। इस पर मोहम्मद कैफ ने कहा था कि तुम्हारे अतीत और बेटे से कोई आपत्ति नहीं है। मैं तुम्हीं से शादी करूंगा। उसके कहने पर मैंने अपनी नौकरी छोड़ दी। मैं दिल्ली की एयरलाइन कंपनी में केबिन क्रू की नौकरी करती थी। यात्रा के दौरान फ्लाइट में मुलाकात होती थी। करीबी बढ़ने लगी तो मैंने उसे शादी का वादा याद दिलाया। उसके बाद वह जिस भी शहर में होता, वहां मुझे बुला लेता। कई दिनों तक संबंध बनाता। महिला ने बातचीत में कहा-मोहम्मद कैफ ने लखनऊ, दिल्ली और कोलकाता में कई महीने तक मेरे साथ शारीरिक संबंध बनाए। उसने जब मेरा फोन उठाना बंद किया तो मैंने उसके बड़े भाई मोहम्मद हसीब से बात की। उसने पहले कहा कि कैफ से बात करके बताएगा। उसके बाद वह भी धमकी देने लगा कि जहां मन हो शिकायत कर दो। कुछ नहीं कर पाओगी।

कोरोना काल में मोहम्मद शमी ने अपने भाई मोहम्मद कैफ को गेंदबाजी की बारीकियां सिखाई थीं।

2023 में हुई थी पहली मुलाकात

महिला ने बताया- 2020 में इंस्टाग्राम पर मोहम्मद कैफ से मेरा परिचय हुआ था। तब वह घरेलू क्रिकेट भी नहीं खेलता था। अगस्त 2023 में उसने मुझसे शादी करने की इच्छा जताई। मैंने तलाकशुदा होने के बारे में बताया तो उसने कहा कि बीते समय से कोई आपत्ति नहीं है। 11 सितंबर 2023 को हमारी पहली मुलाकात गाजियाबाद में हुई। उसके बाद हम मिलते रहे। दिल्ली में खेलने के दौरान कई बार मुझे होटल में बुलाया। मैं दिल्ली में ही रहती थी। इसके बाद कुछ महीने बाद मैंने शादी के लिए याद दिलाया तो उसने कोलकाता बुला लिया। वहां एक होटल में मेरे साथ संबंध बनाए।

महिला ने 31 अगस्त को लखनऊ के आशियाना थाने और 2 सितंबर को विभूतिखंड थाने में तहरीर दी थी। केस दर्ज नहीं होने पर वह 5 सितंबर को डीसीपी ईस्ट के ऑफिस पहुंचीं। वहां शिकायत देकर उन्होंने मोहम्मद कैफ के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर कानूनी कार्रवाई की मांग की।

दिव्यांगजनों के लिए उत्कृष्ट कार्य करने वालों को मिलेगा सम्मान

दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण को योगी सरकार का बड़ा प्रोत्साहन

- विश्व दिव्यांग दिवस पर 12 श्रेणियों में दिए जाएंगे राज्य स्तरीय पुरस्कार
- दिव्यांग कर्मचारियों से लेकर खिलाड़ियों और सर्वश्रेष्ठ संस्थाओं तक का होगा चयन
- 15 सितंबर तक जिलाधिकारी की संस्तुति के साथ आवेदन का मौका

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। दिव्यांगजनों के सशक्तीकरण और उनके लिए उत्कृष्ट कार्य करने वाले व्यक्तियों एवं संस्थाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से योगी सरकार ने राज्य स्तरीय पुरस्कार-2026 की घोषणा की है। दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग, उत्तर प्रदेश की ओर से 3 दिसंबर को विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। यह पहल दिव्यांगजनों के सम्मान, आत्मनिर्भरता और सामाजिक भागीदारी को बढ़ावा देने की दिशा में योगी सरकार का सराहनीय कदम है। राज्य सरकार ने पुरस्कारों के माध्यम से दिव्यांगजनों के लिए बेहतर कार्य करने वाले लोगों और संस्थाओं को पहचान देने की व्यवस्था की है। राज्य स्तरीय पुरस्कार के लिए कुल 12 श्रेणियां निर्धारित की गई हैं। प्रत्येक पुरस्कार के लिए 25 हजार रुपये की धनराशि निर्धारित है। इनमें दक्ष दिव्यांग कर्मचारी/ स्वनियोजित दिव्यांगजन, सर्वश्रेष्ठ प्लेसमेंट नियोक्ता, सर्वश्रेष्ठ प्लेसमेंट अधिकारी या एजेंसी, सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति/संस्था, प्रेरणास्रोत एवं सृजनशील दिव्यांग बालक/बालिका, दिव्यांग खिलाड़ी, दिव्यांगजनों के लिए बाधारहित वातावरण के सृजन में उत्कृष्ट कार्य करने वाले तथा दिव्यांगजनों को पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने वाले सर्वश्रेष्ठ जिला सहित अन्य श्रेणियां शामिल हैं।

पुरस्कार के लिए इच्छुक व्यक्ति एवं संस्थाएं जिलाधिकारी की संस्तुति के साथ 15 सितंबर तक दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग के निदेशालय लखनऊ में आवेदन कर सकते हैं।

शव वाहन के सामने लेटा बेटा, सीना पीटकर रोता रहा, रॉन्ग साइड आने से टोकने पर बुजुर्ग को मार डाला था

थाने के सामने हत्या

जनसभा

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । लखनऊ में शनिवार को थाने के सामने एक बुजुर्ग की चाकू से गोदकर हत्या कर दी गई थी। उनका कसूर सिर्फ इतना था कि उन्होंने रॉन्ग साइड से आने पर एक युवक को टोक दिया था।

रविवार सुबह पोस्टमॉर्टम के बाद बुजुर्ग का शव अंतिम संस्कार के लिए शव वाहन से ले जाया जा रहा था। इसी बीच उनके घरवाले आक्रोशित हो गए। बुजुर्ग का बेटा गाड़ी के सामने जमीन पर लेट गया। वह सीना पीट-पीटकर रोने लगा। बड़ी मुश्किल से उसे शांत कराया गया। इसके बाद शाम करीब 4:20 बजे बुजुर्ग की हत्या करने वाले राजकुमार उर्फ मलाई (40) को गिरफ्तार कर लिया गया। वह लखीमपुर खीरी का रहने वाला है और हिस्ट्रीशीटर है। 8 साल से फरार था। वहीं, हालात संभालने के लिए 2 थानों की पुलिस अंतिम यात्रा के दौरान तैनात रही। मामला मड़ियांव थाना क्षेत्र का है।

मगन बिहारी तिवारी साल-2010 में नगर निगम से रिटायर हुए थे। वह आरआर विभाग में सुपरवाइजर थे। उनके परिवार में पत्नी माया तिवारी, बेटा प्रदीप तिवारी, बहू पुष्पा और 3 पोते-पोतियां हैं। घटना के समय सबसे बड़ा पोता संकल्प तिवारी उनके साथ था। संकल्प अभी इंटर में पढ़ रहा है।

मगन बिहारी के बेटे प्रदीप तिवारी भी नगर निगम के जोन-2 में सुपरवाइजर हैं। उन्होंने बताया- मैं ऑफिस में था। तभी मां ने कॉल करके बताया कि पापा की तबीयत खराब है। हाईवे अस्पताल आ जाओ। मौके पर पहुंचा, तो पता चला कि किसी ने पापा को चाकू मारा है। वह मेरे बेटे के साथ बिजली का बिल जमा करने निकले थे।

अंतिम यात्रा के दौरान 2 थाने की पुलिस और पीएसी फोर्स तैनात रहा

रविवार को घरवाले मगन बिहारी के शव को अंतिम संस्कार के लिए ले जाने लगे। गाड़ी सुबह 11 बजे जैसे ही घर से निकली, घरवालों ने उसे रोक लिया। हालांकि, एक दिन पहले स्थानीय नेताओं के आने-जाने से पुलिस सतर्क थी। मौके पर सुरक्षा के लिए मौके पर 2 थानों मड़ियांव और सैरपुर की पुलिस और पीएसी तैनात थी। इसलिए हालात बिगड़ने नहीं पाए। पुलिसवालों ने मगन बिहारी के घरवालों को जल्द कार्रवाई का भरोसा दिया। इसके बाद घरवाले मान गए और शव को अंतिम संस्कार के लिए लेकर चले गए।

बुजुर्ग की हत्या करने वाले राजकुमार उर्फ मलाई को पुलिस ने शनिवार को गिरफ्तार कर लिया।

रॉन्ग साइड आने पर टोका तो चाकू से गोद डाला

मड़ियांव के भरतनगर में रहने वाले मगन बिहारी तिवारी अपने पोते संकल्प तिवारी के साथ शनिवार को बिजली का बिल जमा करने जा रहे थे। वह बाइक पर पीछे बैठे थे। संकल्प मड़ियांव थाने के सामने गुजर रहा था। तभी रॉन्ग साइड से एक ठेला वाला सामने आ गया। संकल्प ने उससे कहा कि इधर कहां चले आ रहे हो? इतना सुनते ही ठेले वाला गुस्सा गया। उसने चाकू से संकल्प पर हमला कर दिया। बाइक पर पीछे बैठे बाबा मगन बिहारी पोते को बचाने उतर आए। ठेले वाला पोते को छोड़कर बाबा मगन बिहारी पर चाकू से हमला करने लगा। उसने मगन बिहारी के पेट और सीने पर पूरी ताकत से 5 बार चाकू मारे। इससे उनके मांस के लोथड़े तक बाहर आ गए। उनकी मौके पर ही गिरकर मौत हो गई।

सीतापुर में जिंदा जला 10 साल का बच्चा जुबान बाहर निकली

चादर में लपेटकर अस्पताल ले गए, मां ने भी दम तोड़ा

तमसा संकेत, एजेंसी

सीतापुर। सीतापुर में शॉर्ट सर्किट से एक घर में आग लग गई। इसमें झुलसने से 10 साल के बच्चे और उसकी मां की मौत हो गई। बच्चे का पूरा शरीर जल गया। उसकी जुबान तक बाहर आ गई। उसे चादर में लपेटकर सीएचसी ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। इलाज के दौरान मां ने भी दम तोड़ दिया।

वहीं, उसकी 17 साल की बहन की हालत गंभीर बनी है। लखनऊ के ट्रॉमा सेंटर में उसका इलाज चल रहा है। घटना मिश्रिख कोतवाली की रविवार सुबह 6 बजे की है। महिला के पति और बड़ा बेटा अपनी परचून की दुकान खोलने गए थे, जबकि बेटा -बेटी कमरे में सो रहे थे।

गोपालपुर गांव में कमलेश अपने परिवार के साथ 3 कमरों के मकान में रहते हैं। घर में पत्नी गौरी (40), बेटा सूरज (13), कृष्णा (10) और बेटी काजल (17) थे। कमलेश परचून की दुकान चलाते हैं। घर से करीब 20 मीटर दूर उनकी दुकान है।

बड़े बेटे सूरज ने बताया- सुबह करीब 6 बजे पापा और मैं दुकान खोलने चले गए थे। घर के बरामदे से सटे पहले कमरे में मां, छोटा भाई कृष्णा और बहन काजल सो रहे थे। तभी मीटर बोर्ड में शॉर्ट सर्किट हो गया। तार जलकर भूसे पर गिर गया। भूसा सुलगने लगा। पास में ही 5 लीटर के कैन में डीजल रखा था। आग डीजल में पकड़ने के बाद तेजी से भड़क गई। मौके पर गांववाले इकट्ठा हो गए।

फास्ट न्यूज

युवक ने थाने के बाहर गर्दन में ब्लेड मारी

कानपुर। कानपुर के चकेरी थाने के बाहर रविवार शाम करीब 6:10 बजे उस समय हड़कंप मच गया, जब एक युवक ने खुद को घायल कर लिया। घटना के दौरान थाने के बाहर मौजूद पुलिस-कर्मियों ने तुरंत युवक को काबू में लिया और उसे इलाज के लिए कांशीराम अस्पताल पहुंचाया। प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे हैलट अस्पताल रेफर कर दिया।

कारोबारी की हत्या में वकील बोले-बहू के मोबाइल से छेड़छाड़

कानपुर। कानपुर के करोड़पति दवा कारोबारी विनीत मिनोचा मर्डर केस में अब पुलिस की जांच पर ही सवाल उठने लगे हैं। जेल में बंद आरोपी बहू के वकील ने दावा किया है कि पुलिस ने शालू का मोबाइल कब्जे में लेकर फोरेंसिक जांच के लिए भेजा है, फिर भी वह 7 दिन बाद तक एक्टिव कैसे रहा?

वकील के मुताबिक, शनिवार सुबह इंस्टाग्राम पर इस मोबाइल का लास्ट सीन 10.03 बजे तक दिखाई दिया। उन्होंने सवाल उठाया कि अगर मोबाइल पुलिस की कस्टडी में है तो उसे कौन चला रहा है और उससे डाटा या चैट बाहर कैसे आ रही है?

रक्षामंत्री के काफिले के लिए ट्रैफिक रोका तो भड़की महिला

आगरा। आगरा में रविवार को रक्षामंत्री राजनाथ सिंह के काफिले के लिए ट्रैफिक रोके जाने पर एक महिला भड़क गई। काफी देर तक सड़क पर खड़े रहने के बाद वह काफिले के सामने जाने लगी। डीसीपी ट्रैफिक और महिला पुलिसकर्मियों ने उसे रोक लिया। इस पर महिला ने कहा कि एक घंटे से ट्रैफिक रोककर लोगों को परेशान किया जा रहा है।

ताजमहल को शिव मंदिर मानकर पर्यटकों ने हाथ जोड़े

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। आगरा में ताजमहल देखने पहुंचे कुछ पर्यटक इसे मकबरा मानने को तैयार नहीं हैं। उनका मानना है कि यह 'तेजो महालय' है। यहां भगवान शिव का मंदिर है। इसी आस्था के चलते वह ताजमहल के सामने हाथ जोड़ते और माथा टेकते नजर आए।

मथुरा और राजस्थान के धौलपुर से आईं कुछ महिलाओं ने कहा, "हमारे लिए यह ताजमहल नहीं, 'तेजो महालय' है।" मेन गेट पर पहुंचते ही उन्होंने चप्पल उतारी। सिर झुकाकर प्रणाम किया।

मथुरा की कमलेश मेन गेट पर पहुंचीं तो उन्होंने पहले हाथ जोड़े, फिर धरती को छूकर नमन किया। बातचीत में उन्होंने कहा- हमने यहां हाथ इसलिए जोड़े, क्योंकि यह हमारा शिव मंदिर है। जैसे हम मंदिर में जाकर हाथ जोड़ते हैं और सिर झुकाते हैं, वैसे ही यहां भी किया।

धौलपुर की बंटी देवी मेन गेट पर पहुंचीं तो उन्होंने भी हाथ जोड़कर सिर झुकाकर प्रणाम किया। फिर बम-भोले के जयकारे लगाए। बातचीत में उन्होंने कहा- ये हमारा शिव मंदिर है। मैंने सुना है कि ताजमहल के नीचे भोले बाबा हैं।

बंटी देवी ने ताजमहल में एंट्री से पहले चप्पल उतार दीं। हालांकि, ताजमहल को 'तेजो महालय' शिव मंदिर बताने का दावा ऐतिहासिक रूप से स्थापित तथ्य नहीं है। इसी दावे को लेकर लंबे समय से विवाद और कानूनी लड़ाई चल रही है।

अखिल भारत हिंदू महासभा लंबे समय से ताजमहल को 'तेजो महालय' शिव मंदिर बताने का दावा कर रहा है।

आगरा में राजनाथ सिंह बोले- किसी गरीब बेटी को पायल बनवाकर दे देना

राजनाथ सिंह ने खटीक समाज को चांदी का मुकुट लौटाया

तमसा संकेत, एजेंसी

आगरा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को आगरा में कहा- कुछ लोग अपने राजनैतिक हित साधने के लिए लोगों को भड़काने की कोशिश करते हैं। कभी जाति के नाम पर, कभी धर्म के नाम पर। हमारे समाज में दरार पैदा करने की कोशिश करते हैं। लेकिन, हमें यह संकल्प लेना है कि हम किसी के बहकावे में नहीं आएंगे। समाज को बंटने नहीं देंगे। समाज में प्रेम हो, सहयोग हो, एक-दूसरे के सुख-दुख में साथ खड़े होने की भावना हो, इसके लिए हम सभी मिलकर प्रयास करेंगे। याद रखिए टूटने से बिखरेंगे, जुड़ने से निखरेंगे।

सम्मेलन में राजनाथ सिंह को खटीक समाज ने चांदी का मुकुट पहनाया। लेकिन, उन्होंने मुकुट लौटा दिया। कहा- मैं सब कुछ स्वीकार कर लेता हूं, लेकिन चांदी का यह मुकुट आपके हवाले करता हूं। किसी गरीब मां-बाप की बेटी शादी के बाद विदा हो रही हो और उसके पैरों में चांदी की पायल न हो, तो इस मुकुट को तुड़वाकर उसके लिए पायल बनवा दीजिएगा।

राजनाथ सिंह दोपहर 1:30 बजे खेरिया एयरपोर्ट पर वह विशेष विमान से पहुंचे थे। यहां केंद्रीय मंत्री एसपी सिंह बघेल, यूपी सरकार की मंत्री बेबी रानी मौर्य और अधिकारियों ने उनका स्वागत किया। 1946 में जब डायरेक्ट एक्शन डे की घोषणा की गई और बंगाल में हिंदुओं को निशाना बनाया जाने लगा, तब गोपाल पाठा के नेतृत्व में खटीक समाज के कई लोगों ने मोर्चा संभाला था।

सबका लक्ष्य एक-धर्म और राष्ट्र की रक्षा

हिंदू धर्म को केवल जाति के चश्मे से देखने वाले लोग उसके मूल भाव को नहीं समझ पाते हैं। हमारी व्यवस्था कर्म-आधारित है। इसमें एक ही व्यक्ति के कई कर्तव्य हो सकते हैं और कई लोगों का एक ही कर्तव्य भी हो सकता है। लेकिन सबका लक्ष्य एक ही है—धर्म और राष्ट्र की रक्षा करना।

> आज उत्तर प्रदेश भी डबल इंजन की सरकार के साथ तेजी से विकास के मार्ग पर आगे बढ़ रहा है। आप याद कीजिए, एक समय था जब उत्तर प्रदेश में माफिया राज चलता था। ऊबड़-खाबड़ सड़कें होती थीं। असुरक्षा का माहौल था। लोग भय में जी रहे थे और आए दिन दंगे होते थे।

खटीक वो, जो खौफ को भी डरा दे

समय चाहे कोई भी रहा हो, चुनौती कैसी भी रही हो और शत्रु कितना भी शक्तिशाली रहा हो, खटीक समाज ने धर्म और देश के स्वाभिमान की रक्षा से कभी पीछे हटना स्वीकार नहीं किया। ऐसा भी कहा जा सकता है कि खटीक वो है, जो खौफ को भी डरा दे। खटीक वो है, जो खतरे में सबसे आगे खड़ा रहे। खटीक वो है, जो खुद कठिनाई सहकर भी दूसरों की रक्षा करे।

नोएडा में 79 साल की उम्र में आखिरी सांस ली, सेक्टर-94 में अंतिम संस्कार हुआ

पूर्व राज्यपाल कलराज मिश्र की पत्नी का निधन

तमसा संकेत, एजेंसी

नोएडा । पूर्व राज्यपाल और भाजपा के वरिष्ठ नेता कलराज मिश्र की पत्नी सत्यवती मिश्र (79) का निधन हो गया। उन्होंने नोएडा के मेट्रो अस्पताल में शनिवार रात 1 बजे अंतिम सांस ली। वह एक हफ्ते से अस्पताल में भर्ती थीं। उनके फेफड़ों में संक्रमण था।

पूर्व राज्यपाल ने अपने सोशल मीडिया पेज पर पत्नी के निधन की जानकारी दी। उन्होंने लिखा- "मेरी धर्मपत्नी श्रीमती सत्यवती मिश्रा जी आज अपनी जीवन यात्रा पूर्ण कर ईश्वर के श्रीचरणों में विलीन हो गई हैं। प्रभु उनको अपने श्रीचरणों में स्थान दें।" निधन की सूचना मिलते ही नोएडा स्थित उनके घर पर भाजपा

नेताओं के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, संघ के वरिष्ठ नेता नागेंद्रनाथ त्रिपाठी, विधायक पंकज सिंह और सांसद डॉ. महेश शर्मा उनके घर पहुंचे। उन्होंने अंतिम दर्शन कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

उनका अंतिम संस्कार नोएडा के सेक्टर-94 में दोपहर करीब 3 बजे किया गया। कलराज मिश्र की पत्नी के निधन की सूचना मिलने के बाद से नोएडा में उनके घर सुबह से ही भाजपा नेताओं के पहुंचने का सिलसिला जारी है। पैतृक गांव के लोग भी नोएडा पहुंच गए। कलराज मिश्र का राजनीतिक सफर करीब सात दशक लंबा रहा है। तीन बार राज्यसभा सदस्य रहे। 2014 में देवरिया से लोकसभा चुनाव जीतकर नरेंद्र मोदी सरकार में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (MSME) मंत्री बने। केंद्र में मंत्री रहने के बाद जुलाई 2019 में हिमाचल प्रदेश के राज्यपाल नियुक्त हुए। सितंबर 2019 में उन्हें राजस्थान का राज्यपाल बनाया गया।

पूर्व राज्यपाल और वरिष्ठ भाजपा नेता कलराज मिश्र के साथ उनकी पत्नी सत्यवती मिश्रा। (फाइल फोटो)

नोएडा में अंतिम संस्कार हुआ

सैदपुर स्थित उनके पैतृक गांव मलिकपुर में भी सुबह से लोगों का आना-जाना लगा हुआ है। लोग घर पहुंचकर शोक संवेदना व्यक्त कर रहे हैं। सत्यवती मिश्र से जुड़ी पुरानी स्मृतियों को याद कर रहे हैं। परिवार के आशुतोष मिश्र ने बताया कि अंतिम संस्कार नोएडा के सेक्टर-94 में हो गया। अंतिम संस्कार में शामिल होने के लिए परिजन गांव से नोएडा पहुंचे। इनमें कलराज मिश्र के भतीजे ओंकारनाथ मिश्र और ब्रह्मदेव मिश्र शामिल हैं।

> अस्पताल में भर्ती पूर्व राज्यपाल की पत्नी के स्वास्थ्य की जानकारी लेने शनिवार को डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक भी पहुंचे थे। उन्होंने परिजन से मुलाकात करने के अलावा डॉक्टर्स को आवश्यक निर्देश दिए। साथ ही डॉक्टरों से अपडेट भी लिए।

फतेहपुर में झाड़-फूंक के दौरान युवक की मौत हंगामा

पुलिस ने तांत्रिक को हिरासत में लिया

तमसा संकेत, एजेंसी

खागा/ फतेहपुर। फतेहपुर के खागा कोतवाली के उमरा गांव में युवक की मौत के बाद शनिवार को हंगामा हो गया। परिजनों ने आरोप लगाया कि कई दिनों से बीमार रामचंद्र की तबीयत तांत्रिक के झाड़-फूंक के दौरान बिगड़ी और बाद में उसकी मौत हो गई। युवक की मौत के बाद परिजनों और ग्रामीणों ने हंगामा शुरू कर दिया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने तांत्रिक सर्वेश ओझा को हिरासत में ले लिया। परिवार ने कार्रवाई की मांग को लेकर शव उठाने से इन्कार कर दिया। बाद में खागा विधायक एवं प्रदेश की दुग्ध एवं पशुधन विकास राज्यमंत्री कृष्णा पासवान मौके पर पहुंचीं और परिवार से बातचीत की। राज्यमंत्री ने कहा कि पूरे मामले की जांच कराएंगी।

रामचंद्र पुत्र सकतू कई दिनों से बीमार था। परिजनों के मुताबिक, उसने कई जगह इलाज कराया, लेकिन उसकी हालत में सुधार नहीं हुआ। इसके बाद उसने सर्वेश ओझा पुत्र प्रेमचंद्र सोनी से संपर्क किया। आरोप है कि तांत्रिक ने रामचंद्र को ठीक करने की गारंटी देते हुए झाड़-फूंक शुरू की। इसके लिए उसने परिवारों वालों से कुछ झाड़-फूंक का सामान भी बाहर से मंगवाया।

12 सितंबर को तांत्रिक ने रामचंद्र की झाड़-फूंक शुरू की। रात में वह अपने घर चला गया। देर रात करीब 12 बजे रामचंद्र की तबीयत फिर बिगड़ गई।

पृष्ठ 01 का शेष...

दुनिया ने भारत के ...

चीन के अखबार चाइना डेली ने BRICS को ऐसे मंच के तौर पर पेश किया, जो दुनिया में ताकत का संतुलन बदलने में बड़ी भूमिका निभा सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, विकासशील देश अब दुनिया के बड़े मुद्दों और फैसलों में अपनी आवाज ज्यादा मजबूती से रखना चाहते हैं। BRICS उन्हें इसके लिए एक ऐसा मंच दे रहा है, जहां वे मिलकर अपनी बात उठा सकते हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन दुनिया की मौजूदा व्यवस्था में बदलाव चाहता है। चीन नहीं चाहता कि जरूरी फैसले लेने में दुनिया के कुछ गिने-चुने देशों का दबदबा रहे।

चीन के सरकारी अखबार ग्लोबल टाइम्स ने BRICS को सिर्फ चीन या भारत के हितों का मंच नहीं, बल्कि ग्लोबल साउथ के लिए बड़े सहयोग के मौके के तौर पर पेश किया।

रिपोर्ट में विशेषज्ञों के हवाले से कहा गया कि BRICS में भारत और चीन का सहयोग सिर्फ आपसी रिश्तों तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे पूरे ग्लोबल साउथ को फायदा हो सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक भारत डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर और सर्विस सेक्टर में मजबूत है, जबकि चीन मैन्युफैक्चरिंग, इंफ्रास्ट्रक्चर और सप्लाई चेन के मामले में आगे है। दोनों देशों की ये अलग-अलग ताकतें BRICS में सहयोग को और मजबूत कर सकती हैं।

ब्रिटिश मीडिया द गार्जियन ने BRICS समिट में चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग की मौजूदगी को भारत-चीन रिश्तों में सुधार की शुरुआत के तौर पर देखा। 2020 के सीमा विवाद के बाद यह शी की पहली भारत यात्रा थी। दिल्ली में उनका जोरदार स्वागत हुआ। रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले कुछ महीनों में दोनों देशों के बीच बातचीत और आने-जाने में भी सुधार हुआ है। द गार्जियन के अनुसार, BRICS के अंदर सब कुछ ठीक नहीं है। सदस्य देशों के अपने-अपने हित हैं और ईरान-सऊदी अरब जैसे देशों के बीच तनाव भी बड़ी चुनौती है। इसके बावजूद BRICS देश एक साझा घोषणापत्र पर सहमत हुए। इसमें आपसी विवादों को बातचीत और शांतिपूर्ण तरीके से सुलझाने की बात कही गई। ब्रिटिश मीडिया फाइनेंशियल टाइम्स के मुताबिक, चीन BRICS को ऐसी वैश्विक ताकत के रूप में देखता है, जो अमेरिकी लीडरशिप वाली मौजूदा सिस्टम का विकल्प बन सके। शी जिनपिंग की मौजूदगी और उनकी अपील को भी इसी नजरिए से देखा गया। लेकिन भारत का रुख इससे अलग है। भारत BRICS को सीधे अमेरिका-विरोधी समूह के तौर पर आगे बढ़ाने के बजाय ऐसा मंच बनाए रखना चाहता है, जहां अलग-अलग देशों के हित और विचार होने के बावजूद साझा मुद्दों पर साथ काम किया जा सके।

यूपी में 16.5 लाख ...

इसमें संस्थान के निदेशक डॉ. सीएम सिंह ने बताया कि ऑर्गन ट्रांसप्लांट यूनिट से मरीजों को किडनी ट्रांसप्लांट की सुविधा मिल सकेगी। संस्थान में बोनमैरो और लिवर ट्रांसप्लांट की तैयारी भी चल रही है। सीएम योगी ने कहा- मुझे अच्छा लगा कि यहां संस्थान की प्रगति में योगदान देने वाले उन नींव के पत्थरों को सम्मानित किया गया, जिनके कारण यह संस्थान आज नई गरिमा और नए गौरव के साथ आगे बढ़ रहा है।

वास्तव में 2017 में हम सबके सामने एक प्रश्न आया था कि अस्पताल रहेगा या संस्थान बनेगा? उस समय असमंजस की स्थिति थी। आपसी विवाद भी होते थे। तब तय हुआ कि इसे संस्थान में बदलना है। जो लोग संस्थान में आने के इच्छुक होंगे, वे संस्थान में रहेंगे। जो जहां जाना चाहेंगे, उन्हें स्वास्थ्य विभाग या अस्पताल में स्थानांतरित किया जा सकता है। उस समय मैं स्वयं भी यहां का गवाह रहा था। लेकिन, उस समय यह कल्पना नहीं थी कि संस्थान इतनी तेजी से आगे बढ़ेगा। जिसको लेकर यहां हमारे राज्यमंत्री और संस्थान के अधिकारी बता रहे थे कि कम से कम 20 बेड का एक छोटा-सा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बनकर रहने वाला अस्पताल, आज उत्तर प्रदेश का एक बेहतरीन स्वास्थ्य और शिक्षा का केंद्र बनकर भारत सरकार और प्रधानमंत्रीजी के विजन को जमीन पर उतारने का काम करेगा। मैं कह सकता हूं कि पिछले कुछ समय से मेरे पास यहां की शिकायतें भी अब कम आती हैं। नहीं तो रोज समय-समय पर शिकायतें आती रहती थीं। हम परेशान होते थे। पैसा देते-देते तो हमें परेशानी नहीं होती थी, लेकिन शिकायत सुनते-सुनते परेशानी जरूर होती थी। लेकिन, अब उससे मुक्ति मिली है। यह मुक्ति तभी मिलती है, जब जनता में संतुष्टि होती है, लोगों में संतोष होता है और सुविधाएं मिलती हैं। ये परिणाम तभी आते हैं, जब पूरी टीम को लेकर चलने की हमारी सामर्थ्य होती है और टीम को इसका श्रेय भी दिया जाता है। मुझे बहुत अच्छा लगा कि आज उस टीम का स्थापना दिवस के अवसर पर संस्थान ने सम्मान किया। उन लोगों का सम्मान किया, जिन्होंने अपने कर्तव्यों के माध्यम से संस्थान की प्रगति को आगे बढ़ाने में योगदान दिया। इस मंच के माध्यम से मैं स्थापना दिवस से कह रहा हूं। आप तो कह रहे होंगे कि यहां पॉलिटिकल बात क्यों करने लगे? अरे, लोहिया जी की आत्मा यहां रहती है। लोहिया जी का नाम लेकर आप राजनीति करते हो, लेकिन समाजवादी पार्टी के लोगों को लोहिया जी जब स्वर्ग से कभी देखते होंगे, नीचे की तरफ आचार्य नरेंद्र देवजी, लोहियाजी, दत्तोपंतजी, मदन मोहनजी सोचते होंगे कि समाजवादी लोगों ने जिस ढंग से 'धनिकति बंटकर रहेगी, भूखी जनता अब न रहेगी' का नारा लगाने का काम किया था, ये समाजवादी पार्टी के लोग पूंजीवादी व्यवस्था के साथ हाथ मिलाकर सवई में फिल्मी कलाकारों का डांस देखने का काम करते हैं।

'2029 तक 21 ...

भारत ने जीडीपी में 7.8% की वृद्धि दर्ज की है और प्रमुख देशों में सबसे तेजी से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बन गया है। पीएम मोदी ने लोगों में यह विश्वास पैदा किया है कि 15 अगस्त 2047 तक भारत हर क्षेत्र में दुनिया के सभी देशों से आगे होगा।

भाजपा देशभर में ...

वहीं, 6 अक्टूबर 2026 को मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री संयुक्त रूप में उनके कार्यकाल के 25 साल पूरे होंगे। हालांकि पूरे देश में अभियान चलाने के अलावा पीएम मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में भी स्पेशल आयोजन किया जाएगा।

बंगाल में 252 ...

अधिकारियों के अनुसार, सरकार ने जून की शुरुआत से पश्चिम बंगाल के सभी जिलों में जमीनी सर्वे किया। इस सर्वे में सरकारी और निजी मदरसों की बुनियादी सुविधाएं, मंजूरी की स्थिति और प्रबंधन व्यवस्था की जांच की गई।

अधिकारियों ने बताया कि संबंधित मदरसों को कारण बताओ नोटिस दिया गया है। उनके जवाबों की जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी ने यह जांच अलग-अलग जिलों में अधिकृत और अनधिकृत मदरसों की जानकारी पता करने के लिए कराई थी। पश्चिम बंगाल सरकार ने राज्य के अल्पसंख्यक मामलों और मदरसा शिक्षा विभाग के तहत आने वाले सभी मदरसों में 'वंदे मातरम' गाना अनिवार्य कर दिया है। 19 मई को जारी आदेश के मुताबिक, यह नियम सरकारी मॉडल मदरसों, सरकारी सहायता प्राप्त और बिना सहायता प्राप्त मदरसों पर तुरंत लागू होगा। इससे पहले मदरसों में सुबह की प्रार्थना के दौरान राष्ट्रगान 'जन गण मन' और कवि गुलाम मुस्तफा की 'अनंत असीम प्रेममय तुमी' (बांग्ला गीत) गाया जाता था। अब सभी मदरसों को इस आदेश को लागू करने के बाद इसकी रिपोर्ट भी विभाग को सौंपनी होगी।

गोवा में आप का ...

इसमें कहा गया कि दोनों पार्टियां चुनाव के दौरान एक-दूसरे से लड़ सकती हैं। दोनों दलों ने कहा कि यह गठबंधन गोवा के लोगों को एक वास्तविक विकल्प देने के लिए बनाया गया है।

दिल्ली में मैच फिर भी विदेशी होगी टीम इंडिया, पिच भी अफगान टीम तय करेगी

94 साल में पहली बार ऐसी क्रिकेट सीरीज

शुरुआत

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन टी-20 मैचों की सीरीज आज से शुरू हो रही है। तीनों मैच दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में होंगे। मुकाबले भले ही भारत में हो रहे हैं लेकिन इस सीरीज में होम टीम अफगानिस्तान की होगी और भारतीय टीम विजिटर्स होगी।

ऐसा इसलिए हो रहा है क्योंकि अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड इस सीरीज का मेजबान है। सुरक्षा कारणों से अफगानिस्तान अपने देश में मैच नहीं करा पाता है लिहाजा उसके होम मुकाबले भारत या UAE में होते हैं।

टीम इंडिया के लिए यह नया

> होम टीम का कप्तान सिक्का उछालता है और विजिटिंग टीम का कप्तान हेड या टेल चुनता है। इसलिए मैच से पहले अफगानिस्तान का कप्तान सिक्का उछालेगा और भारतीय कप्तान हेड या टेल कॉल करेगा।

अनुभव होगा। भारतीय क्रिकेट के 94 साल के इतिहास में यह पहला मौका है जब वह घर में मैच खेलेगी लेकिन होम टीम नहीं होगी। इस बदलाव का मैचों और सीरीज के अलग-अलग पहलू पर क्या असर होगा इसे 6 सवालों के जरिए जानते हैं इस सीरीज में अफगानिस्तान की कप्तानी इब्राहिम जादरान करेंगे। भारत की कमान श्रेयस अय्यर के हाथ में है।

यह फोटो 11 जनवरी 2024 की है। मोहाली में भारत और अफगानिस्तान के बीच खेले गए पहले टी-20 इंटरनेशनल मैच के टॉस के दौरान भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और अफगानिस्तान के कप्तान इब्राहिम जादरान।

यह फोटो 11 जनवरी 2024 की है। मोहाली में भारत और अफगानिस्तान के बीच खेले गए पहले टी-20 इंटरनेशनल मैच के टॉस के दौरान भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और अफगानिस्तान के कप्तान इब्राहिम जादरान। अरुण जेटली स्टेडियम में होम और विजिटिंग टीम के लिए अलग ड्रेसिंग रूम हैं। इस सीरीज में होम ड्रेसिंग रूम अफगानिस्तान और विजिटर्स ड्रेसिंग रूम भारत को मिलेगा।

पिच का मिजाज कौन तय करेगा

पिच अरुण जेटली स्टेडियम के क्यूरेटर्स ही बना रहे हैं। होम टीम को पिच अपने एडवांटेज के हिसाब से बनवाने का अधिकार होता है। अफगानिस्तान होम टीम है लिहाजा उसका मैनेजमेंट पिच को लेकर अपनी डिमांड रख सकता है।

वैसे यह पहला मौका नहीं है जब अफगानिस्तान की टीम भारत की किसी पिच पर अपना होम मैच खेलने वाली है। इससे पहले वह तीन अन्य स्टेडियम में भी अपने घरेलू इंटरनेशनल मैच खेल चुकी है। इन मैचों में अफगान टीम ने ज्यादातर स्पिन की मददगार पिचें बनवाई हैं। बीच-बीच में उसने बैटिंग फ्रेंडली पिचें भी तैयार कराई हैं।

यह फोटो 11 जनवरी 2024 की है। मोहाली में भारत और अफगानिस्तान के बीच खेले गए पहले टी-20 इंटरनेशनल मैच के टॉस के दौरान भारतीय कप्तान रोहित शर्मा और अफगानिस्तान के कप्तान इब्राहिम जादरान।

अनाहत सिंह ने कतर क्लासिक स्क्वॉश में उलटफेर किया

वर्ल्ड नंबर-16 फरिदा मोहम्मद को चार गेम में हराया

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की युवा स्क्वॉश खिलाड़ी और वर्ल्ड जूनियर चैंपियन अनाहत सिंह ने सीजन के पहले प्लैटिनम टूर्नामेंट कतर क्लासिक में जीत के साथ अभियान शुरू किया।

विमेंस सिंगल्स के पहले राउंड में वर्ल्ड नंबर-20 अनाहत ने मिस्र की 16वें नंबर की फरीदा मोहम्मद को 13-11, 3-11, 11-7, 11-7 से हराया। मुकाबले की शुरुआत कड़ी टक्कर के साथ हुई। अनाहत ने पहला गेम 13-11 से जीता। दूसरे गेम में फरीदा ने आक्रामक खेल दिखाते हुए 11-3 से जीत दर्ज की और स्कोर 1-1 कर दिया।

इसके बाद अनाहत ने संयम बनाए रखा। उन्होंने तीसरा गेम 11-7 और चौथा गेम भी 11-7 से जीतकर मैच अपने नाम कर लिया।

पहले राउंड में अपने से ऊंची रैंकिंग वाली खिलाड़ी को हराने के बाद अनाहत अब प्री-क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम की वर्ल्ड नंबर-9 टिने

- प्री-क्वार्टर फाइनल में टिने गिलिस से मुकाबला
- अनाहट सिंह प्री-क्वार्टर फाइनल में बेल्जियम की वर्ल्ड नंबर-9 टिने गिलिस से मुकाबला है।
- मेंस कैटेगरी में अभय सिंह और वीर चोटरानी पर नजरें

गिलिस से भिड़ेंगी।

पुरुष एकल में भारत की ओर से अभय सिंह और वीर चोटरानी चुनौती पेश करेंगे। अभय वर्ल्ड रैंकिंग में 24वें और वीर 38वें स्थान पर हैं। अनाहत सिंह हाल ही में वर्ल्ड जूनियर स्क्वैश चैंपियन बनी थीं।

चामिंडा वास दिल्ली कैपिटल्स के बॉलिंग कोच बन सकते हैं

टीम ने जहीर खान और कुंबले से भी बात की, युवराज बैटिंग कोच होंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

श्रीलंका के पूर्व तेज गेंदबाज चमिंडा वास दिल्ली कैपिटल्स के नए बॉलिंग कोच बन सकते हैं। फ्रेंचाइजी ने इस पद के लिए जहीर खान और अनिल कुंबले से भी बातचीत की थी, लेकिन बात नहीं बन सकी। युवराज सिंह को पहले ही बैटिंग कोच नियुक्त किया जा चुका है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, जहीर खान के साथ बातचीत सेवा की शर्तों पर सहमति नहीं बनने के कारण रुक गई। इसके बाद दिल्ली कैपिटल्स ने चमिंडा वास को जिम्मेदारी सौंपने का फैसला किया।

दिल्ली कैपिटल्स ने अगले सीजन के लिए पूर्व भारतीय ऑलराउंडर युवराज सिंह को बैटिंग कोच नियुक्त किया है। पिछले दो सीजन के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद टीम अपने कोचिंग स्टाफ में बदलाव कर नई शुरुआत करना चाहती है। बॉलिंग और बैटिंग कोच तय होने के बाद अब दिल्ली कैपिटल्स नए हेड कोच की तलाश में जुटी है। फ्रेंचाइजी जल्द ही इस पद पर औपचारिक घोषणा कर सकती है। चमिंडा वास के अनुभव से टीम के तेज गेंदबाजों को फायदा मिलने की उम्मीद है।

वर्ल्ड नंबर-1 बनीं, सबालेंका लगातार तीसरा खिताब जीतने से चूकीं, हार के बाद रैकेट तोड़ा

रायबकिना ने पहली बार यूएस ओपन जीता

नई दिल्ली, एजेंसी

कजाकिस्तान की एलेना रायबकिना ने बेलारूस की आर्यना सबालेंका को हराकर पहली बार US ओपन खिताब जीत लिया। न्यूयॉर्क के आर्थर ऐश स्टेडियम में शनिवार रात खेले गए फाइनल में रायबकिना ने सबालेंका को 6-4, 5-7, 6-2 से हराया। इस जीत के साथ रायबकिना ने अपना तीसरा विमेंस सिंगल्स ग्रैंड स्लैम खिताब जीता और सोमवार को आधिकारिक तौर पर वर्ल्ड नंबर-1 बन जाएंगी। हार के बाद निराश सबालेंका ने अपना रैकेट तोड़ दिया।

दूसरे सेट में सबालेंका ने अपनी लय वापस हासिल की। उन्होंने रायबकिना पर लगातार दबाव बनाया और 5-5 के बाद ब्रेक हासिल कर सेट 7-5 से जीत लिया। इससे मुकाबला निर्णायक तीसरे सेट में पहुंच गया।

एलेना रायबकिना को पहले सेट में पहली सर्विस डालने में परेशानी हुई, लेकिन इसके अलावा उनका खेल अच्छी स्थिति में था।

एलेना रायबकिना को पहले सेट में पहली सर्विस डालने में परेशानी हुई, लेकिन इसके अलावा उनका खेल अच्छी स्थिति में था।

निर्णायक सेट में रायबकिना ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने 5-2 की बढ़त बना ली। इसके बाद मैच पॉइंट पर जीत कर मुकाबला अपने नाम कर लिया। फाइनल 2 घंटे 21 मिनट चला। रायबकिना ने इससे पहले 2022 में विंबलडन और 2026 में ऑस्ट्रेलियन ओपन का खिताब जीता था। ऑस्ट्रेलियन ओपन के फाइनल में भी उन्होंने सबालेंका को हराया था। US ओपन जीतने के बाद अब रायबकिना के पास करियर ग्रैंड स्लैम पूरा करने के लिए सिर्फ फ्रेंच ओपन का खिताब जीतना बाकी है। रायबकिना US ओपन से पहले चोट की समस्या से जूझ रही थीं। इसके बावजूद उन्होंने न्यू यॉर्क में शानदार प्रदर्शन किया और पहली बार टूर्नामेंट के फाइनल में पहुंचकर खिताब जीत लिया। रूस में जन्मी रायबकिना अब कजाकिस्तान का प्रतिनिधित्व करती हैं।

सबालेंका का लगातार तीसरा खिताब जीतने का सपना टूटा

रायबकिना की जीत से सबालेंका का लगातार तीसरी बार US ओपन चैंपियन बनने का सपना टूट गया। इसके साथ ही US ओपन में उनकी 19 मैचों की जीत का सिलसिला भी खत्म हो गया।

सबालेंका पिछले 99 हफ्तों से दुनिया की नंबर-1 खिलाड़ी थीं।

> पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ, लेकिन रायबकिना ने अहम मौकों पर बेहतर खेल दिखाया और सेट 6-4 से अपने नाम कर लिया। इस दौरान गुस्से में गेंद स्टैंड की ओर मारने पर सबालेंका को चेतावनी भी मिली।

मनोरंजन

तृषा कृष्णन सबके सामने आईं तो पीछे हटते दिखे, पत्नी ने वापस लिया है तलाक का केस

थलपति विजय ने सिल्वरस्टोन में अजीत कुमार की रेस देखी

नई दिल्ली। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री और एक्टर थलपति विजय ने शनिवार को सिल्वरस्टोन में मिशेलिन ले मैन्स कप रेस की हरी झंडी दिखाकर ओपनिंग की। साउथ स्टार अजीत कुमार इस रेस में शामिल थे, जिन्होंने 38वां स्थान हासिल किया है। हालांकि इस रेस के दौरान थलपति विजय के साथ रूमर्ड गर्लफ्रेंड तृषा कृष्णन की मौजूदगी ने ध्यान खींच लिया है।

सोशल मीडिया पर रेस से जुड़े कई वीडियो सामने आ रहे हैं। कुछ में विजय, तृषा के साथ रेस एंजॉय करते दिखे, कुछ में एक्टर अजीत से रेस से पहले मुलाकात करते तो कभी रेस को हरी झंडी दिखाते।

थलपति विजय और तृषा कृष्णन लंबे समय से अफेयर रूमर्स के बीच चर्चा में हैं।

इसी बीच विजय की पत्नी ने फरवरी 2023 में विजय से तलाक की मांग करते हुए केस दर्ज करवाया था। PTI के मुताबिक, संगीता ने याचिका में कहा था कि उनके पति का एक एक्ट्रेस के साथ एक्स्ट्रा मैरिटल अफेयर हैं। उन्हें इस बारे में अप्रैल 2021 में पता चला। हालांकि, उन्होंने एक्ट्रेस का नाम नहीं लिया।

उन्होंने यह भी बताया था कि विजय ने उन्हें लगातार मानसिक प्रताड़ना दी। उपेक्षित किया और छोड़ दिया। जरूरत पड़ने पर वह उस अभिनेत्री को भी मामले में दूसरा पक्षकार बनाएंगी।

संगीता का कहना था कि उनका रिश्ता पूरी तरह टूट चुका है। विजय

भावनात्मक रूप से उनसे दूर हो गए हैं। उनके साथ अपमानजनक व्यवहार करते थे। ऐसी परिस्थितियां पैदा कर दी थीं कि उन्हें एक ही घर में अलग रहना पड़ रहा था। इसलिए स्पेशल मैरिज एक्ट, 1954 के तहत तलाक दिया जाए।

सलमान के खिलाफ भाई अमाल के सपोर्ट में उतरे अरमान

फिल्म हीरो के गाने में क्रेडिट न दिए जाने पर विवाद

नई दिल्ली। कुछ दिनों पहले सिंगिंग से ब्रेक लेने वाले अरमान मलिक ने हाल ही में सलमान खान और उनके प्रोडक्शन के खिलाफ कई पोस्ट किए। उन्होंने दावा किया है कि उन्हें प्रोडक्शन की हालिया पोस्ट में फिल्म हीरो के गाने में क्रेडिट नहीं दिया गया। इसके बाद से ही उन्हें सोशल मीडिया पर ये कहते हुए ट्रोल किया जाने लगा कि जिन सलमान ने उन्हें करियर में सपोर्ट किया, वह उन्हीं सलमान की आलोचना कर रहे हैं। अब इस विवाद पर सिंगर अमाल मलिक भी भाई के सपोर्ट में उतरे हैं।

ऐसी ही एक पोस्ट के जवाब में अरमान ने लिखा, “कृपया पहले कोई ओरिजिनल गाना बनाइए, उसे लिखिए या गाइए। फिर देखिए कि

जहां आपका नाम होना चाहिए, वहां उसे आसानी से छोड़ दिया जाए।” उन्होंने कहा, “मैं जानना चाहूंगा कि तब आपको कैसा लगेगा। कृतज्ञता की बात मत कीजिए। मैं अपनी शुरुआत के लिए हमेशा आभारी रहा हूं। लेकिन मैं यह भी जानता हूं कि जहां पहुंचा हूं, वहां तक पहुंचना कितना मुश्किल रहा है। अगर हम अपने हक के लिए नहीं लड़ेंगे, तो कोई और नहीं लड़ेगा।”

फिल्म ‘टार्जन’ में आएंगे नजर, सूरज पंचोली भी होंगे मूवी का हिस्सा

सलमान के बॉडीगार्ड शेरा के बेटे अबीर करेंगे बॉलीवुड डेब्यू

नई दिल्ली, एजेंसी

सलमान खान के लंबे समय से बॉडीगार्ड रहे गुरमीत सिंह जॉली उर्फ शेरा के बेटे अबीर सिंह जल्द बॉलीवुड में डेब्यू कर सकते हैं। फिल्मफेयर की रिपोर्ट के मुताबिक, अबीर फिल्म ‘टार्जन’ से एक्टिंग डेब्यू करेंगे। फिल्म में सूरज पंचोली भी नजर आएंगे।

अबीर के डेब्यू को लेकर 2022 से रिपोर्ट्स सामने आती रही हैं। उस समय दावा किया गया था कि सलमान खान उनके डेब्यू प्रोजेक्ट की तैयारी में व्यक्तिगत रूप से शामिल हैं। यह फिल्म अभिनेता-फिल्ममेकर सतीश कौशिक के निर्देशन में बनने की बात कही गई थी और जनवरी 2023 में शूटिंग शुरू होने की रिपोर्ट थी। हालांकि, इस प्रोजेक्ट की कोई आधिकारिक घोषणा नहीं हुई। मार्च 2023 में सतीश कौशिक के निधन के बाद अबीर के डेब्यू को लेकर आगे कोई जानकारी सामने नहीं आई। अब नई रिपोर्ट में दावा किया गया है कि अबीर को ‘टार्जन’ मिल गई है। फिल्म के डायरेक्टर, प्रोडक्शन बैनर और बाकी कास्ट की जानकारी फिलहाल सामने नहीं आई है। जिससे अभी यह नहीं पता चल रहा है कि अबीर सिंह को सलमान खान लॉन्च करेंगे या नहीं।

वहीं, उनके प्रोडक्शन बैनर सलमान खान फिल्म्स (SKF) से सूरज पंचोली और अथिया शेट्टी ने 2015 की फिल्म ‘हीरो’ से बॉलीवुड डेब्यू किया था। इसके बाद 2018 में ‘लवयात्री’ से वारिना हुसैन ने बतौर लीड एक्ट्रेस डेब्यू किया। फिल्म में सलमान के जीजा आयुष शर्मा भी लॉन्च हुए थे।

‘टार्जन’ में सूरज पंचोली भी

रिपोर्ट के मुताबिक, ‘टार्जन’ में अबीर के साथ सूरज पंचोली भी होंगे। सूरज ने 2015 में रिलीज हुई रोमांटिक एक्शन फिल्म ‘हीरो’ से बॉलीवुड डेब्यू किया था। इस फिल्म को सलमान खान ने प्रोड्यूस किया था। फिल्म में सुनील शेट्टी की बेटी अथिया शेट्टी ने भी बतौर लीड एक्ट्रेस डेब्यू किया था। ‘हीरो’ के बाद सूरज और अथिया को इंडस्ट्री में पहचान मिली, हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस पर खास प्रदर्शन नहीं कर सकी। अगर ‘टार्जन’ को लेकर सामने आई रिपोर्ट सही है, तो सूरज अब एक और ऐसे नए कलाकार के साथ स्क्रीन शेयर करेंगे, जिसको सलमान खान ने लॉन्च किया था।

अबीर के पिता गुरमीत सिंह जॉली उर्फ शेरा पिछले 30 साल से भी अधिक समय से सलमान खान के बॉडीगार्ड हैं।

> सलमान खान ने अपनी फिल्मों और प्रोडक्शन हाउस के जरिए कई नए चेहरों को बॉलीवुड में मौका दिया है। सोनाक्षी सिन्हा ने उनके साथ ‘दबंग’ से बॉलीवुड डेब्यू किया था, जबकि जरीन खान को ‘वीर’ में प्रेजेंट किया गया था। डेजी शाह ने ‘जय हो’ से बतौर लीड एक्ट्रेस डेब्यू किया और सई मांजरेकर ने ‘दबंग 3’ से हिंदी फिल्मों में कदम रखा।

सीआईए के खुफिया दस्तावेज में खुलासा, 9/11 से पहले कई देशों पर हमले की तैयारी थी

आतंकी लादेन की हिट लिस्ट में भारत भी था

साजिश

वॉशिंगटन, एजेंसी

आतंकी संगठन अल-कायदा का सरगना ओसामा बिन लादेन 9/11 हमले से पहले भारत को भी निशाना बनाना चाहता था। अमेरिकी खुफिया एजेंसी CIA के हाल ही में जारी दस्तावेज से इसका पता चला है।

28 अगस्त 1998 की इस रिपोर्ट में बिन लादेन की भारत समेत कई देशों में हमले की योजना का जिक्र है। हालांकि, इसमें भारत में किसी खास जगह या हमले की तारीख के बारे में जानकारी नहीं दी गई है।

CIA ने 9/11 हमले की 25वीं बरसी के मौके पर शुक्रवार को बिन लादेन से जुड़ी 70 से ज्यादा खुफिया रिपोर्ट सार्वजनिक की हैं। इनमें 100 से ज्यादा पन्नों की जानकारी है।

1998 से 2001 तक अमेरिका को मिलती रही चेतावनी

CIA ने 1998 से 2001 के बीच अमेरिकी राष्ट्रपतियों को बिन लादेन और अल-कायदा के खतरे को लेकर कई बार जानकारी दी थी। जारी दस्तावेजों में तत्कालीन राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के कार्यकाल से लेकर जॉर्ज डब्ल्यू. बुश के शुरुआती कार्यकाल तक की रिपोर्ट शामिल हैं। इन रिपोर्टों से पता चलता है कि 9/11 हमले से पहले ही अमेरिकी खुफिया एजेंसी को बिन लादेन और अल-कायदा के संभावित हमलों का खतरा पता था।

CIA की रिपोर्ट के मुताबिक, ओसामा बिन लादेन भारत समेत 8 देशों में हमले करना चाहता था। इनमें पाकिस्तान, मिस्र, कुवैत, सऊदी अरब, यमन और युगांडा के नाम शामिल हैं। नाइजीरिया काा भी संभावित निशाने के तौर पर जिक्र किया गया है।

हालांकि, दस्तावेज में भारत में हमले की साजिश की ज्यादा जानकारी नहीं है। जैसे- न किसी शहर या इमारत का नाम दिया गया है और न ही हमले की तारीख या किसी खास योजना का जिक्र है। इस रिपोर्ट का टाइटल 'बिन लादेन का आतंकी नेटवर्क अब भी खतरा' था। दस्तावेज के कुछ हिस्से सार्वजनिक नहीं किए गए हैं और खुफिया जानकारी कहां से मिली, यह भी नहीं बताया गया है। 11 सितंबर 2001 के आतंकी हमले में करीब 3 हजार लोगों की मौत हुई थी। अल-कायदा के 19 आतंकियों ने चार यात्री विमानों को हाईजैक किया था।

60 देशों में फैला था लादेन का नेटवर्क

रिपोर्ट के मुताबिक, बिन लादेन कम से कम 60 देशों में मौजूद अपने लोगों और दूसरे आतंकी संगठनों की मदद से हमले करा सकता था। CIA के मुताबिक, अफगानिस्तान में अमेरिकी हमलों के बावजूद बिन लादेन और उसके साथियों का आपसी संपर्क बना हुआ था। अल-कायदा ने कुछ ट्रेनिंग कैंप फिर से शुरू कर दिए थे, जबकि कुछ कैंपों को दूसरी जगह ले जाया जा रहा था।

> 9/11 के बाद दुनिया भर में हवाई सुरक्षा और आतंकवाद के खिलाफ नीतियों में बड़े बदलाव हुए। इस हमले को आधुनिक इतिहास के सबसे बड़े आतंकी हमलों में गिना जाता है।

अलकायदा के आतंकियों ने 11 सितंबर 2001 को न्यूयॉर्क के ट्विन टॉवर्स पर हाईजैक प्लेन से हमला किया था।

नामी यूनिवर्सिटी को टक्कर दे रहे अमेरिका के आम कॉलेज

छोटे संस्थानों से पढ़कर भी 95 लाख तक कमा रहे छात्र

वाशिंगटन, एजेंसी

अक्सर युवाओं और उनके माता-पिता को लगता है कि एक शानदार करियर और भारी-भरकम सैलरी के लिए हार्वर्ड, प्रिंसटन या एमआईटी जैसे किसी बड़े और नामी कॉलेज से पढ़ाई करना बेहद जरूरी है।

अमेरिका की फोर्ब्स टॉप-500 कॉलेज रैंकिंग की हालिया रिपोर्ट ने इस सोच को पूरी तरह से बदल दिया है। इस रिपोर्ट के आंकड़े बताते हैं कि अच्छी कमाई के लिए आपके कॉलेज का मशहूर होना कोई शर्त नहीं है। रैंकिंग के आंकड़े बताते हैं कि टॉप-500 लिस्ट में सबसे निचले पायदान पर मौजूद कॉलेजों के छात्र भी पढ़ाई पूरी करने के 10 साल बाद हर साल औसतन 95 लाख रुपये से ज्यादा की कमाई कर रहे हैं। एमआईटी और हार्वर्ड जैसे दुनिया के सबसे प्रतिष्ठित संस्थानों से पढ़ने वाले छात्र 10 साल बाद सालाना औसतन 1.15 करोड़ रुपये कमा रहे हैं। वहीं, इस लिस्ट में

500वें नंबर पर ओहायो के एक ग्रामीण क्षेत्र में स्थित मेरिएटा कॉलेज है। हैरानी की बात यह है कि यहां के पूर्व छात्र भी 10 साल के अनुभव के बाद सालाना करीब 1 करोड़ रुपये कमा रहे हैं। कुल मिलाकर, इस लिस्ट में शामिल लगभग हर कॉलेज के ग्रेजुएट्स की सालाना औसत कमाई 86 लाख रुपये से ऊपर है, जो यह साबित करता है कि कम मशहूर कॉलेज भी बेहतरीन करियर की नींव रख सकते हैं। हालांकि यह रिपोर्ट छोटे कॉलेजों की सफलता को दर्शाती है, लेकिन इसमें यह भी सलाह दी गई है कि किसी भी कॉलेज को चुनते समय सिर्फ पैकेज को आधार नहीं बनाना चाहिए।

फास्ट न्यूज

होर्मुज के पास ईरान के कमर्शियल जहाज पर हमला

तेहरान। पश्चिम एशिया में जारी भीषण संघर्ष के बीच अब एक बड़ी खबर सामने आ रही है। दक्षिणी ईरान के तट के पास एक ईरानी कमर्शियल जहाज पर हमला हुआ है। इस हमले में एक व्यक्ति की मौत हो गई है, जबकि तीन अन्य लोग घायल बताए जा रहे हैं। ईरानी सरकारी मीडिया ने केश्म काउंटी के गवर्नर के हवाले से इस घटना की पुष्टि की है।

टर्किश एयरलाइंस की फ्लाइट में भयानक टर्बुलेंस

अंकारा। इस्तांबुल से आ रही टर्किश एयरलाइंस की एक फ्लाइट के यात्रियों की उस समय सांसें अटक गईं, जब एक भयानक तूफान के कारण विमान को तीन बार लैंडिंग टालनी पड़ी। विमान में सवार डरे-सहमे यात्रियों को लगा जैसे वे आसमान से मौत के मुंह में गिर रहे हैं। विमान के केबिन के अंदर का एक रोंगटे खड़े कर देने वाला वीडियो सामने आया है। इसमें देखा जा सकता है कि ट्यूनिस-कार्थेज एयरपोर्ट के चक्कर लगाते समय विमान अचानक हवा में हिचकोले खाने लगता है।

'गाड़ी खाई की तरफ जा रही, अब ब्रेक लगाने की जरूरत'

वॉशिंगटन। अमेरिकी सांसद बर्नी सैंडर्स ने रविवार को कहा कि डारियो अमोदेई, सैम ऑल्टमैन और एलन मस्क की एआई डेवलपमेंट की रफ्तार धीमी करने की अपील एक शुरुआत है। उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप और चीनी राष्ट्रपति शी चिनफिंग से आग्रह किया कि वे आने वाले समिट में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर रोक लगाने के लिए किसी समझौते पर बातचीत करें।

बैंकों में इस हफ्ते चार दिन छुट्टी गणेश चतुर्थी पर कई शहरों में छुट्टी

ब्रांच जाने से पहले चेक करें आरबीआई की लिस्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

अगर इस हफ्ते आपको बैंक जाकर कोई जरूरी काम निपटाना है, तो घर से निकलने से पहले छुट्टियों की लिस्ट जरूर चेक कर लें। 14 सितंबर से 20 सितंबर के बीच देश के अलग-अलग शहरों में बैंक 4 दिन बंद रहेंगे।

हालांकि, ये सभी छुट्टियां पूरे देश में एक साथ लागू नहीं होंगी, बल्कि कई जगहों पर क्षेत्रीय त्योहारों के हिसाब से बैंक बंद रहेंगे।

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (RBI) की छुट्टी की ऑफिशियल लिस्ट के अनुसार, इस दौरान स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, HDFC बैंक, ICICI बैंक और पंजाब नेशनल बैंक सहित सभी सरकारी और प्राइवेट बैंकों की शाखाओं में कामकाज प्रभावित रहेगा। बैंक शाखाएं बंद होने पर कैश डिपॉजिट, चेक क्लियरेंस और पासबुक अपडेट जैसी इन-पर्सन

सेवाएं शाखाओं में उपलब्ध नहीं होंगी। हालांकि, सभी डिजिटल बैंकिंग सेवाएं सामान्य रूप से चालू रहेंगी। यूजर इंटरनेट बैंकिंग, मोबाइल बैंकिंग एप, UPI और ATM के जरिए पैसों का लेनदेन कर सकते हैं।

रिजनल त्योहारों और राष्ट्रीय दिवसों जैसे गणतंत्र दिवस या गांधी जयंती के आधार पर अलग-अलग राज्यों में छुट्टियां भिन्न होती हैं।

इससे पहले 11 सितंबर को यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस के ऐलान पर देशव्यापी हड़ताल के कारण मुख्य रूप से सार्वजनिक क्षेत्र (सरकारी) के बैंकों का कामकाज प्रभावित हुआ था।

ब्रिक्स डिनर में 'ख्वाब हो तुम या' गुनगुनाया, वीडियो शेयर कर लिखा- गुरु, इजाजत है

मलेशियाई पीएम ने किशोर कुमार का गाना गाया

नई दिल्ली, एजेंसी

मलेशिया के प्रधानमंत्री अनवर इब्राहिम ने शनिवार को नई दिल्ली में किशोर कुमार का मशहूर गाना 'ख्वाब हो तुम या कोई हकीकत...' गाया। इब्राहिम BRICS समिट के डिनर में पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने मुकेश का गीत दोस्त दोस्त ना रहा... भी गुनगुनाया।

अनवर ने इसका वीडियो अपने सोशल मीडिया X के अकाउंट पर शेयर किया है।उन्होंने लिखा- गुरु, थोड़ा सा गाने की इजाजत है? वीडियो करीब डेढ़ मिनट का है।

विदेश मंत्रालय के अनुसार मलेशिया में करीब 27.5 लाख भारतीय मूल के लोग हैं, जो देश की आबादी का लगभग 9% हैं। इनमें

करीब 20 लाख लोग तमिल बोलते हैं। यहां बॉलीवुड और तमिल मूवी काफी देखी जाती हैं। शाहरुख खान की 'दिलवाले' ने मलेशिया में करीब 29 करोड़ रुपए की कमाई की थी। वहीं 'जवान' ने करीब 22 करोड़ और 'पठान' ने करीब 9 करोड़ रुपए का कारोबार किया था।

तमिल फिल्मों का भी यहां बड़ा बाजार है। 2025 में रिलीज हुई रजनीकांत की 'कुली' ने मलेशिया में करीब 26-27 करोड़, जबकि अजित कुमार की ' गुड बैड अग्ली' ने करीब 22 करोड़ का कारोबार किया था। 2026 की सूर्या स्टारर ' करुप्पु' भी करीब 22 करोड़ के कलेक्शन के साथ मलेशिया की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्मों में शामिल है। वहीं, विजय की 'गोट' ने करीब 32 करोड़ और शिवकार्तिकेयन की 'अमरन' ने करीब 26 करोड़ का कारोबार किया था। अनवर इब्राहिम मलेशिया के 10वें प्रधानमंत्री हैं। उन्होंने 24 नवंबर 2022 को पदभार ग्रहण किया था।

मलेशियाई पीएम ने तीन देवियां और संगम फिल्म के गाने गाए

मलेशियाई PM ने जो गाया ख्वाब हो तुम या कोई हकीकत... गाना गया, वह 1965 की फिल्म 'तीन देवियां' का है। इसे किशोर कुमार ने गाया था। संगीत एसडी बर्मन ने दिया था। गीत के बोल मजरूह सुल्तानपुरी ने लिखे थे। वहीं, दोस्त दोस्त ना रहा... गाना 'संगम' फिल्म का है। इसे मुकेश ने गाया है और इसका संगीत शंकर-जयकिशन ने दिया था। गीत के बोल शैलेंद्र ने लिखे थे।

अनवर किशोर कुमार के फैन हैं, पहले भी यह गाना गुनगुना चुके

मलेशिया के पीएम पहले भी किशोर कुमार के फैन होने की बात कह चुके हैं। उन्होंने 2024 में भारत में एक इंटरव्यू के दौरान भी यही गीत गुनगुनाया था। इसके अलावा, फरवरी 2026 में पीएम मोदी की मलेशिया यात्रा के दौरान उन्होंने एक आधिकारिक वीडियो मोंटाज साझा किया था। इसमें 'कभी खुशी कभी गम' का लोकप्रिय गाना 'बोले चूड़ियां' इस्तेमाल किया गया था।

इंडोनेशिया में 243 यात्रियों वाला जहाज डूबा

102 लोगों को बचाया गया, एक की मौत, 140 की तलाश जारी

नई दिल्ली, एजेंसी

इंडोनेशिया में 243 लोगों को लेकर जा रहा एक यात्री जहाज रविवार को डूब गया। इसमें 1 की मौत हुई है।

हादसे के बाद करीब 140 यात्री और क्रू मेंबर लापता बताए जा रहे हैं। रेस्क्यू टीम ने अलग-अलग जहाजों की मदद से 102 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया है, जबकि एक व्यक्ति का शव बरामद किया गया है।

विर्गो ट्रांसपोर्ट 8 नाम का यह जहाज पूर्वी जावा के सुराबाया से बोर्नियो द्वीप के बंजारमासिन जा रहा था। अधिकारियों ने सर्च ऑपरेशन शुरू कर दिया है। रेस्क्यू टीम ने जहाज की आखिरी लोकेशन की ओर कई जहाज और एक हेलिकॉप्टर भेजा है।

इंडोनेशिया में जहाज डूबने के कई बड़े हादसे हो चुके हैं। 1981 में तंपोमास-2 नाम का यात्री जहाज जावा सागर में डूब गया था। इसमें करीब 430 लोगों की मौत हुई थी।

फेरी विर्गो ट्रांसपोर्ट 8 खराब मौसम के बीच जावा सागर में डूब गई। इंडोनेशिया के रेस्क्यू टीमें जावा सागर में सर्च ऑपरेशन चला रही हैं।

2006 में सेनोपाती नुसंतारा नाम की यात्री फेरी खराब मौसम के दौरान जावा सागर में डूब गई थी। हादसे में 400 से ज्यादा लोग मारे गए या लापता हुए थे।

2007 में लेविना-1 फेरी में आग लगने के बाद डूब गई थी, जिसमें 50 से ज्यादा लोगों की मौत हुई थी। 2018 में लेस्तारी माजू फेरी दक्षिण सुलावेसी के पास डूब गई थी। इसमें 36 लोगों की जान गई थी।

इंडोनेशिया में 17 हजार से ज्यादा द्वीप हैं और करीब 28 करोड़ की आबादी का बड़ा हिस्सा अलग-अलग द्वीपों पर रहता है। कई शहरों और द्वीपों के बीच आने-जाने के लिए फेरी और यात्री जहाज अहम साधन हैं। बड़ी संख्या में लोग रोजाना इनसे सफर करते हैं। उष्णकटिबंधीय क्षेत्र में होने के कारण यहां तेज बारिश, आंधी और ऊंची समुद्री लहरों का खतरा रहता है।

फिलीपींस में फेरी में आग लगने से 76 मौतें

इससे पहले बुधवार रात फिलीपींस में एक यात्री फेरी में भीषण आग लग गई थी। इस हादसे में अब तक 76 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 13 लोग लापता हैं। फेरी में कुल 132 लोग सवार थे और 43 लोगों को बचा लिया गया।

फेरी राजधानी मनीला से कोरोन जा रही थी और मंजिल से करीब 39 किलोमीटर पहले आग की चपेट में आ गई। फिलीपींस में भी इंडोनेशिया की तरह द्वीपों के बीच आने-जाने के लिए फेरी अहम साधन हैं।

तस्वीर फिलीपींस में बुधवार को फेरी में आग लगने के बाद की है।

> बंजारमासिन स्थित सर्च एंड रेस्क्यू ऑफिस के मुताबिक, जहाज में सफर के दौरान कम्युनिकेशन फेलियर हुआ था। इसके बाद उससे संपर्क नहीं हो सका। जहाज की आखिरी लोकेशन जावा सागर में बंजारमासिन के एक पियर से करीब 148 किलोमीटर दूर मिली है।

अटल पेंशन योजना से 210 में हर महीने 5000 मिलेंगे

ये स्कीम आपके रिटायरमेंट को देगी वित्तीय सुरक्षा

नई दिल्ली, एजेंसी

अटल पेंशन योजना के जरिए आप अपने लिए पेंशन का इंतजाम कर सकते हैं। अटल पेंशन योजना के तहत 60 साल का होने पर हर महीने 1,000 से लेकर 5,000 रुपए की पेंशन मिलती है।

इस योजना के जरिए आप अपने बुढ़ापे को आर्थिक सुरक्षा दे सकते हैं। अटल पेंशन योजना के तहत 60 साल का होने पर हर महीने 1000 से लेकर 5000 रुपए की पेंशन मिलती है। इसमें 18 साल से 40 साल तक का व्यक्ति इसमें निवेश कर सकता है। कोई शख्स इस स्कीम को लेता है तो उसे कम से कम 20 साल निवेश करना होगा।

इस योजना में निवेश के लिए आपके अमाउंट से कितना कटेगा यह इस बात पर निर्भर करेगा कि आप रिटायरमेंट के बाद कितनी पेंशन चाहते हैं। 1 से 5 हजार रुपए

प्रतिमाह पेंशन लेने के लिए सब्स्क्राइबर को 42 से लेकर 210 रुपए प्रतिमाह तक भुगतान करना होगा। यह 18 साल की उम्र में स्कीम लेने पर होगा।

वहीं, यदि कोई सब्स्क्राइबर 40 साल की उम्र में स्कीम लेता है तो उसे 291 से लेकर 1,454 रुपए प्रतिमाह तक का कॉन्ट्रीब्यूशन करना होगा। सब्स्क्राइबर जितना ज्यादा कॉन्ट्रीब्यूशन करेगा, उसे रिटायरमेंट के बाद उतनी ही ज्यादा पेंशन मिलेगी। इस योजना के तहत इन्वेस्टर्स मंथली, क्वाटरली या सेमी-एनुअल यानी 6 माह की अवधि में निवेश कर सकते हैं।

घटना : शादी से इनकार करने पर 16 साल छोटे लड़के ने गोली मारी, सुसाइड किया

अमेरिका के कैलिफोर्निया में भारतीय महिला की हत्या

कैलिफोर्निया, एजेंसी

अमेरिका के कैलिफोर्निया में भारतीय मूल की 38 साल की शालिनी ठाकुर की गोली मारकर हत्या कर दी गई। आरोपी ने मंगलवार को सैक्रामेंटो में एक रेस्टोरेंट के बाहर शालिनी का पीछा किया और फिर उसे गोली मार दी।

आरोपी की पहचान 22 साल के रोहित के रूप में हुई। पुलिस ने उसे घेर लिया था। इसी दौरान रोहित ने खुद को गोली मारकर आत्महत्या कर ली।

शालिनी की मां सुदेश कुमारी के मुताबिक, रोहित करीब एक साल से उनकी बेटी का पीछा कर रहा था और उसे परेशान करता था।

वह शालिनी से शादी करना चाहता था, लेकिन शालिनी ने उम्र में काफी अंतर होने की वजह से शादी से इनकार कर दिया था। इसके बाद रोहित नाराज हो गया था।

स्थानीय रिपोर्टों के मुताबिक, रोहित जनवरी 2026 से शालिनी का पीछा कर रहा था। कई बार वह मदद करने के बहाने शालिनी की कार के टायरों की हवा निकाल देता था। वह काम पर जाते समय उसका पीछा करता था।

भागकर जान बचाने की कोशिश की, लेकिन नाकाम रही

पुलिस के मुताबिक, शालिनी आर्डन आर्केड इलाके के एक शॉपिंग प्लाजा में काम करती थी। काम पर जाते समय रोहित ने उसका पीछा किया। उसने शालिनी को एक रेस्टोरेंट के बाहर रोक लिया। शालिनी जान बचाने के लिए वहां से भागी, लेकिन रोहित ने उसका पीछा किया और उस पर कई गोलियां चला दीं। लोगों ने पुलिस को रोहित की गाड़ी के बारे में जानकारी दी। पुलिस ने कुछ ही देर में गाड़ी की लोकेशन पता कर ली। गाड़ी ईस्टबाउंड हाईवे 50 पर मिली। पुलिस ने उसे रोकने की कोशिश की तो रोहित ने अचानक गाड़ी रोक दी।

पुलिस जब गाड़ी के पास पहुंची तो रोहित ड्राइवर सीट पर खून से लथपथ पड़ा था। उसने खुद को गोली मार ली थी।

एक बार उसने शालिनी के अपार्टमेंट की चाबी की कॉपी हासिल कर ली थी। इसके बाद वह हर कभी उसके घर में घुस जाता था। शालिनी ने मई में रोहित के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। कोर्ट ने रोहित को चेतावनी भी दी थी। इसके बावजूद, उसने शालिनी का पीछा नहीं छोड़ा था।

शालिनी की हत्या का आरोपी रोहित।

अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग के प्रवक्ता के अनुसार, रोहित बिना वैध दस्तावेजों के अमेरिका में रह रहा था। प्रवक्ता ने बताया कि 2023 में एरिजोना के रास्ते अमेरिका में दाखिल होने के बाद उसे अमेरिकी सीमा गश्ती दल ने गिरफ्तार किया था।

इसके बाद बाइडन प्रशासन के दौरान उसे रिहा कर दिया गया था। हालांकि, उसके इमिग्रेशन से जुड़ी सटीक जानकारी साफ नहीं हो पाई है।

टेस्ला की सेकेंड जनरेशन रोडस्टर 1 अक्टूबर को आएगी

मस्क बोले- गो फॉर लॉन्च कार में थ्रस्टर्स मिल सकते हैं

नई दिल्ली, एजेंसी

इलेक्ट्रिक व्हीकल कंपनी टेस्ला अपनी सेकेंड जनरेशन 'रोडस्टर' स्पोर्ट्स कार 1 अक्टूबर को लाएगी। कंपनी ने X पर ₹गो फॉर लॉन्च₹ लिखकर एक पोस्ट शेयर किया है। इस पोस्ट में 10.01 की तारीख लिखी है। इस कार में कोल्ड गैस थ्रस्टर्स दिए जा सकते हैं, जिनकी मदद से यह कार शायद हवा में थोड़ा उड़ भी सकेगी। उड़ने का मतलब यह नहीं कि कार आसमान में प्लेन की तरह यहां-वहां घूम पाए। यह सिर्फ परफॉर्मेंस बूस्ट और शॉर्ट-टर्म लिफ्ट के लिए हो सकता है। टेस्ला ने अपनी 2nd जनरेशन रोडस्टर कार को सबसे पहले नवंबर 2017 में दिखाया था। हालांकि, इसके बाद कई बार इसकी प्रोडक्शन और लॉन्च डेट को आगे बढ़ाया।

पहले माना जा रहा था कि कार 2020 तक सड़कों पर होगी, लेकिन

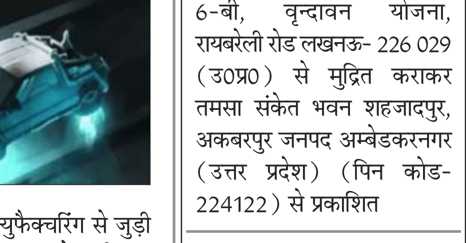

डिजाइन और मैन्युफैक्चरिंग से जुड़ी दिक्कतों के कारण इसमें करीब 8 साल की देरी हो चुकी है।

हाल ही में आई टेक वेबसाइट 'द इंफॉर्मेशन' की रिपोर्ट के मुताबिक, टेस्ला ने 2017 में पेश किए गए रोडस्टर के पुराने डिजाइन को पूरी तरह से बदल दिया है। 1 अक्टूबर को पेश होने जा रही कार बिल्कुल नए और अपग्रेडेड डिजाइन के साथ आएगी। कंपनी ने कार के फीचर्स को अभी तक सीक्रेट रखा है। कार की लॉन्चिंग में देरी को लेकर बीते साल इलॉन मस्क और ओपनएआई के सीईओ सैम आल्टमैन के बीच सोशल मीडिया पर बहस भी हुई थी।

तमसा संकेत
tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533
R.N.I. NO. 64107/96